सुविचार

दुखियारों को हमदर्दी के आंसू भी कम प्यारे नहीं होते।

प्रेमचंद

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times

7509202320

@revanchal_times

revanchaljabalpur@gmail.com

revanchaltimes_

■ वर्ष - 09 ■ अंक - 241 ■ मंडला, गुरूवार 04 दिसम्बर 2025 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2082 शक 1935 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

सभी नक्सलियों के शव बरामद, 4 दिन पहले मोदी-शाह ने स्ट्रैटजी बनाई थी

छत्तीसगढ़ में 12 नक्सली ढेर, 3 जवान शहीद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर जवानों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। इस एनकाउंटर में DRG के 3 जवान शहीद और 2 घायल हो गए हैं। बस्तर रेंज के IG सुंदरराज पी. ने पुष्टि की है। बस्तर रेंज के IG सुंदरराज पी. ने बताया कि एनकाउंटर में बीजापुर DRG के जवान हेड कॉन्स्टेबल मोनू वडारी, रमेश सोड़ी और कॉन्स्टेबल दुकारू गोंडे शहीद हो गए। गंगालूर थाना इलाके के जंगलों में जवानों की टीम लगातार सर्चिंग कर रही है। रढ जितेंद्र यादव ने बताया कि D R G, STF, COBRA और CRPF की जॉइंट टीम बुधवार सुबह 9 बजे से बीजापुर-दंतेवाड़ा बॉर्डर के वेस्ट बस्तर डिवीजन इलाके में सर्च ऑपरेशन पर थी। जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू की। जवाबी कार्रवाई में नक्सली मारे गए। C M विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। वीर जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज हमारे बहादुर जवानों की बहादुरी से इतिहास लिखा जा रहा है। नक्सलवाद आखिरी सांसें ले रहा है। उन्होंने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि भी दी। छत्तीसगढ़ में 4 दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और N S A डोभाल समेत कई हस्तियां D G P कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं। मीटिंग में नक्सलवाद को खत्म करने की स्ट्रैटजी पर चर्चा की गई थी। अब इसके नतीजे दिख रहे हैं। शाह ने नक्सलवाद खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय कर दी है।

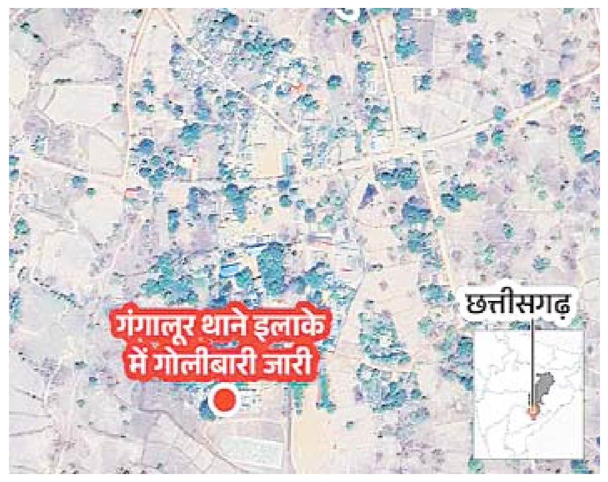

राइफल और गोला-बारूद भी बरामद

S P ने बताया कि जवानों ने एनकाउंटर वाली जगह से रछफ राइफल, 303 राइफल और गोला-बारूद भी बरामद किया है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। मौके पर सर्च जारी है। इलाके को सील कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बैकअप पार्टी भी भेजी गई है। ऑपरेशन अभी भी जारी है, इसलिए डिटेल्स शेयर नहीं की जा सकतीं। ऑपरेशन पूरा होने के बाद डिटेल्ड अपडेट जारी किया जाएगा।

18 नवंबर को मारा गया था खूंखार नक्सली हिड़मा

देश के सबसे खतरनाक नक्सल कमांडरों में शामिल माड़वी हिड़मा छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर 18 नवंबर को मरेडमिल्ली जंगल में एनकाउंटर में मारा गया। जवानों ने हिड़मा की पत्नी राजे उर्फ रजक्का और 4 अन्य नक्सलियों को भी ढेर किया था।

हिड़मा को खत्म करने तय थी डेडलाइन

गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को हिड़मा को खत्म करने के लिए 30 नवंबर तक की डेडलाइन दी थी। इसके बाद आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर स्थित मरेडमिल्ली के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इसी ऑपरेशन में हिड़मा डेडलाइन से 12 दिन पहले ही मारा गया। हिड़मा पिछले 2 दशक में हुए 26 से ज्यादा बड़े नक्सली हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। इनमें 2010 दंतेवाड़ा हमला भी शामिल है, जिसमें 76 CRPF जवान शहीद हुए थे। इसके अलावा 2013 में झीरम घाटी हमले, 2021 सुकमा-बीजापुर हमले में भी हिड़मा की भूमिका रही है।

हिड़मा दंतेवाड़ा में 76 जवानों की हत्या का मास्टरमाइंड था

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 2010 में 76 जवानों की हत्या हुई थी। यह नक्सल इतिहास का सबसे बड़ा हमला था। उस हमले का मास्टरमाइंड हिड़मा ही था। इसमें बसवाराजू भी शामिल रहा, जो एनकाउंटर में पहले ही मारा जा चुका है। बसवाराजू हमले के लिए बनी रणनीति की मीटिंग में शामिल हुआ था। हमले की साजिश रची थी।

हिड़मा की पत्नी राजे भी कमेटी मेंबर रही

पुलिस के मुताबिक, हिडमा की पत्नी राजे ने भी नक्सलियों के संगठन में कई अहम भूमिकाएं निभा चुकी थी। वो 1994-95 में बाल संगठन सदस्य रही, उसके बाद 2002-03 में जगरगुंडा एरिया कमेटी मेंबर (A C M) बनी। किस्टाराम अउट (2006&07), पलाचलमा छडर कमांडर (2008). उसे 2009 में बटालियन मोबाइल पॉलिटिकल स्कूल की शिक्षिका बनाया गया था। बाद में इठढउ बटालियन पार्टी कमेटी मेंबर के तौर पर एक्टिव रही।

छत्तीसगढ़ में पिछले 2 बड़े नक्सली एनकाउंटर

16 नवंबर: 3 नक्सली मारे गए थे

दरअसल, जवानों को 16 नवंबर 2025 को भेज्जी-चिंतागुफा के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। पुख्ता सूचना मिलने पर DRG की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान रविवार सुबह तुमालपाड़ के जंगल में नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाला। नक्सलियों की गोलियों का जवाब दिया। सुबह से दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग हुई। इसमें तीन नक्सली मारे गए। जवानों ने सर्चिंग के दौरान जंगल से तीनों नक्सलियों के शव बरामद किए गए थे।

11 नवंबर: 6 नक्सली मारे गए

बीजापुर जिले के नेशनल पार्क एरिया में 11 नवंबर को हुए मुठभेड़ में 3 महिला समेत 6 नक्सली मारे गए थे। जिसमें मद्देड़ एरिया कमेटी का इंचार्ज बुच्चन्ना और दूसरे शीर्ष नक्सल लीडर पापाराव की पत्नी उर्मिला भी शामिल है। लेकिन पापाराव इस बार भी जान बचाकर भागने में कामयाब रहा।

इसी साल मई में कुख्यात नक्सली बसवाराजू भी ढेर हुआ

19 मई को अबूझमाड़ के कुडमेल- कलहाजा जाटलूर इलाके में बसवाराजू मारा गया था। यहां दंतेवाड़ा-बीजापुर और नारायणपुर से DRG के जवानों ने 27 नक्सलियों को ढेर किया था। इसके बाद से नक्सलियों को बड़ा झटका लगा था।

नए आधार एप में घर बैठे एड्रेस-नाम बदल सकेंगे

मुंबई। अब आप घर बैठे आधार कार्ड में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बदल सकते हैं। सरकार ने नए आधार एप में इस सुविधा को शुरू कर दिया है। वहीं, एड्रेस, नाम और ईमेल आईडी भी अपडेट करने की फैसिलिटी जल्द शुरू होगी। नई डिजिटल सर्विस की घोषणा आधार को रेगुलेट करने वाली संस्था यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने की है। इन बदलावों के लिए यूजर्स को किसी डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं होगी। एप पर डळढ वेरिफिकेशन और फेस ऑथेंटिकेशन से सबकुछ चेंज किया जा सकेगा। इस सर्विस से दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोग, सीनियर सिटिजन और माइग्रेट करने वालों को आसानी होगी।

नई सर्विस कैसे काम करेगी?

UIDAI के मुताबिक एप के जरिए आधार में अपडेट की प्रोसेस काफी सिंपल है। इसके लिए कोई डॉक्यूमेंट या फिजिकल विजिट की जरूरत नहीं है। पूरी प्रोसेस कुछ मिनटों में हो जाएगी। अगर आपने एप डाउनलोड नहीं किया है तो इसे डाउनलोड करके सेटअप करना होगा। आधार कार्ड देश की सबसे बड़ी आइडेंटिटी सर्विस है, जिसमें 130 करोड़ से ज्यादा लोगों का डेटा जुड़ा हुआ है। मोबाइल नंबर इसका सबसे अहम हिस्सा है, क्योंकि इसी से डळढ के जरिए बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी, इनकम टैक्स वेरिफिकेशन और डिजिटल सर्विसेज जैसे डिजीलॉकर तक एक्सेस मिलता है।

देश के 7 एयरपोर्ट पर उड़ानें प्रभावित

100 से ज्यादा फ्लाइट में देरी या कैंसिल; कहीं तकनीकी वजह तो कहीं क्रू की कमी

नई दिल्ली/बेंगलुरु। देश के 7 एयरपोर्ट पर बुधवार को कहीं तकनीकी तो कहीं क्रू मेंबर्स की कमी से 100 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुईं। इंडिगो एयरलाइन ने बताया कि क्रू मेंबर्स और ऑपरेशन से जुड़ी दिक्कतों की वजह से इंदौर में 11, हैदराबाद में 13, सूरत में 8, अहमदाबाद में 25, बेंगलुरु में 42 फ्लाइट कैंसिल हुईं या देरी से उड़ीं। दिल्ली में भी उड़ानों पर असर हुआ है। यहां चेक इन सिस्टम फेल होना बताया गया, जिसके बाद उसे मैन्युअल कर दिया गया। वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्रियों को बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ने दुनियाभर में बड़ी सर्विस आउटेज की रिपोर्ट दी है। इससे एयरपोर्ट पर क्ळ सर्विस पर असर पड़ा है। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने इस खबर को गलत बताया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में 200 से उड़ानें प्रभावित होने का दावा

है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ये सभी फ्लाइट्स इंडिगो एयरलाइन की हैं या अन्य एयरलाइंस से जुड़ी हैं।

दिल्ली इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट:
असर: दिल्ली एयरपोर्ट पर सुबह से चेक इन सिस्टम में दिक्कत आ रही है। चार एयरलाइंस- इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस पर इसका असर पड़ा है।
तैयारी: सभी एयरलाइंस ने मैनुअल चेक इन और बोर्डिंग प्रोसेस लागू कर दिए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने सुबह 7.40 बजे पर एक पोस्ट में कहा, हमारी ऑन-ग्राउंड टीमें सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर काम कर रही हैं, ताकि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

हैदराबाद राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट:
असर: हैदराबाद एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स की भारी भीड़ हो गई। चेक इन सिस्टम में देरी की वजह से फ्लाइट छूट रही हैं। इंडिगो के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि टेक्नोलॉजी में समस्या, एयरपोर्ट पर भीड़ और ऑपरेशनल जरूरतों जैसी कई वजह से हमारी कई फ्लाइट्स में देरी हुई है और कुछ कैंसिलेशन भी हुई हैं।
तैयारी: हमारी टीमें यह पक्का करने के लिए पूरी मेहनत कर रही हैं कि ऑपरेशन जल्द से जल्द नॉर्मल हो जाएं।

बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट:
असर: चेक इन सिस्टम में देरी की वजह से चार फ्लाइट लेट हो गईं। ऑपरेशनल वजहों से इंडिगो की कई सर्विस कैंसिल कर दी गईं। कुल 42 फ्लाइट कैंसिल हुईं हैं, जिनमें 22 आने वाली और 20 जाने वाली फ्लाइट शामिल थीं।
1. सफर करना है। एयरपोर्ट पर जल्दी पहुंचें। मैन्युअल चेक-इन में 25झ40 मिनट अतिरिक्त लग रहे हैं।

खलघाट टोल पर आंदोलन 700 लोगों पर केस दर्ज

धामनोद। मध्यप्रदेश के धार जिले के धामनोद स्थित खलघाट टोल प्लाजा पर सोमवार को हुए किसान आंदोलन के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। इस मामले में करीब 700 अज्ञात लोगों पर भी मामला दर्ज हुआ है। इनमें 17 किसान नामजद हैं। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान कुछ किसानों की ओर से बिना अनुमति सड़कों को बाधित किया जिससे यातायात बाधित हुआ। इन गतिविधियों और प्रतिबंधित धाराओं के उल्लंघन के आधार पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। यह प्रदर्शन सोमवार (1 दिसंबर) को राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ मालवा निमाड़ प्रांत के कार्यकताओं और किसानों की ओर से किया गया था। अलग-अलग मांगों को लेकर नेशनल हाईवे- 52 स्थित खलघाट टोल प्लाजा के पास धरना दे रहे थे। ज्ञापन देने के बाद मिले आश्वासन पर प्रदर्शन खत्म हुआ था।

केस दर्ज कर पुलिस विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रही

पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी कराई थी। इसी के आधार पर किसानों के खिलाफ बीएनएस की धारा 223(), 126(2), 191(2) और राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 की धारा 8बी के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रही है। वहीं, राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के धार जिला अध्यक्ष प्रकाश धाकड़ ने कहा कि उनके और अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्रकरण की उन्हें जानकारी नहीं है। वे जल्द ही सभी पदाधिकारियों से चर्चा कर अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे।

कलेक्टर का CM - PM तक मांगें पहुंचाने का आश्वासन

बता दें धार जिले के धामनोद स्थित खलघाट टोल पर सोमवार सुबह 5 बजे राष्ट्रीय मजदूर किसान महासंघ के नेतृत्व में किसानों ने चक्काजाम कर धरना प्रदर्शन शुरू किया था। यह आंदोलन दिनभर चला। किसान नेशनल हाईवे-52 पर सड़क पर ही बैठे रहे। देर शाम करीब 8 बजे धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, धार एसपी मयंक अवस्थी और खरगोन एसपी मौके पर किसानों से चर्चा करने पहुंचे।

सरकार ने स्मार्टफोन पर संचार साथी ऐप प्री-इंस्टॉल करने की अनिवार्यता हटाई

नई दिल्ली। सरकार ने देश में बनने वाले या आयात होने वाले हर स्मार्टफोन पर ह्यसंचार साथीह्ण ऐप इंस्टॉल होने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। संचार मंत्रालय ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस ऐप को लोग खुद ही बड़ी संख्या में डाउनलोड कर रहे हैं। ऐसे में इसकी स्वीकार्यता को देखते हुए मोबाइल विनिमार्ताओं के लिए इसे पहले से इंस्टॉल करना अनिवार्य न करने का फैसला लिया गया है। उल्लेखनीय है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य करने के दूरसंचार मंत्रालय के आदेश के बाद विपक्ष ने मुखर होकर संसद के अंदर और बाहर इसका विरोध शुरू कर दिया था। उसका आरोप था कि इस ऐप का दुरुपयोग सरकार अपने विरोधियों और विपक्ष के नेताओं की जासूसी के लिए कर सकती है। दूरसंचार विभाग का यह ऐप मोबाइल पर वित्तीय धोखाधड़ी रोकने के उद्देश्य से बनाया गया है, हालांकि इसके लिए ऐप यूजर के फोन पर एसएमएस, कॉल, संपर्क और ट्रांजेक्शन तक पहुंच रखता है। मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अब तक एक करोड़ 40 लाख लोगों ने इस ऐप को डाउनलोड किया है जो रोजाना 2,000 से अधिक धोखाधड़ी रोकने में मददगार हो रहा है। ऐप के यूजरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। गत एक दिन में छह लाख से अधिक लोगों ने इसे डाउनलोड किया है जो 10 गुना की वृद्धि दिखाता है। इसमें कहा गया है कि ह्यसंचार साथीह्ण ऐप पूरी तरह से सुरक्षित है और इसका उद्देश्य लागों को साइबर धोखाधड़ी से बचाना है। स्मार्टफोन पर ऐप पहले से इंस्टॉल करना इसलिए अनिवार्य किया गया था कि लोग इस ऐप को तेजी से अपना सकें।

BHU परिसर में जमकर हुआ बवाल छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच पथराव

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार देर रात छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच जमकर पथराव हुआ। परिसर कुछ देर के लिए जंग के मैदान जैसा बन गया। तोड़फोड़ में कई गमले, वाहन और कुर्सियां क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस और प्रोविंशियल आर्म्ड कांस्टेबुलरी (पीएसी) बल मौके पर पहुंचा तथा काफी मशक्कत के बाद स्थिति नियंत्रित की। घटना की शुरूआत राजाराम छात्रावास के पास हुई, जहां एक वाहन ने कथित तौर पर एक छात्रा को टक्कर मार दी। शिकायत करने पहुंचे छात्रों के साथ सुरक्षाकर्मियों की बहस हो गई। दूसरी ओर प्रॉक्टोरियल बोर्ड के कर्मियों का कहना है कि कुछ छात्र एक अन्य लड़के से पहले से ही विवाद कर रहे थे। जब उन्हें रोका गया तो वे सुरक्षाकर्मियों से ही उलझ गए। देखते-देखते बड़ी संख्या में छात्र जमा हो गए और कुलपति आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। विवाद बढ़ने पर छात्रों ने एलडी गेस्ट हाउस के पास लगे सजावटी गमलों सहित अन्य सामान में तोड़फोड़ शुरू कर दी।

शुभमन और हार्दिक की वापसी, वर्ल्ड कप की जर्सी भी लॉन्च

साउथ अफ्रीका टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान

मुम्बई। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए BCCI ने भारतीय टीम का ऐलान कर दिया। जसप्रीत बुमराह को वनडे से आराम देकर टी-20 में शामिल किया गया। हार्दिक पंड्या और शुभमन गिल की भी टीम में वापसी हुई। टी-20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी। इउउकने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी। बुधवार को ही रायपुर में बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए जर्सी भी लॉन्च की। टी-20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। उपकप्तान शुभमन गिल करीब दो हफ्ते बाद वापसी करेंगे। हालांकि, फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही वे मैच खेल पाएंगे। कोलकाता टेस्ट में उन्हें चोट लगी थी। हार्दिक पंड्या भी 73 दिन बाद टीम में लौट रहे हैं। वे एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर। **रिंकू और रेड्डी को मौका नहीं**- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज का हिस्सा रहे रिंकू सिंह और नीतीश कुमार रेड्डी को स्क्वॉड में मौका नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रिंकू को एक ही मुकाबला खिलाया गया, लेकिन उनकी बैटिंग नहीं आ सकी। वे फिलहाल मुश्ताक अली टूनार्मेंट में उत्तर प्रदेश के लिए टी-20 खेल रहे हैं। **रायपुर में वर्ल्ड कप की जर्सी भी लॉन्च**- B C Cक ने 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की नई जर्सी भी लॉन्च कर दी। रायपुर में B C Cकसेक्रेटरी देवजीत सैकिया की मौजूदगी में जर्सी लॉन्च हुई। इस दौरान टी-20 टीम के तिलक

वर्मा और टूनार्मेंट के ब्रांड एम्बेसडर रोहित शर्मा भी मौजूद रहे।

हार्दिक पंड्या ने मुश्ताक अली में फिफ्टी लगाई
ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या एशिया कप में चोटिल हो गए थे। सुपर-4 स्टेज के मैच में लगी चोट की वजह से वे 28 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल नहीं खेल सके। इसके बावजूद टीम इंडिया ने 5 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। हार्दिक ने अब घरेलू टी-20 टूनार्मेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में फिफ्टी लगाकर वापसी की। उन्होंने बड़ौदा से खेलते हुए 77 रन बनाने के साथ 1 विकेट भी लिया था।

शुभमन कोलकाता टेस्ट में इंजर्ड हुए थे

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंजर्ड हो गए थे। पहली पारी में बैटिंग के दौरान स्वीप शॉट खेलने के बाद उन्हें गर्दन में खिंचाव महसूस हुआ। जिसके बाद वे रिटायर्ड हर्ट हो गए। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां सामने आया कि वे क्रिकेट खेलने के लिए फिलहाल फिट नहीं हैं। उप कप्तान गिल को टी-20 टीम में मौका जरूर मिल गया, लेकिन वे शायद शुरूआती मुकाबलों से बाहर रह सकते हैं। उन्हें मेडिकल टीम से फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही मुकाबले में उतारा जाएगा।

खेत में जाकर पलटी ईको कार, घायलों को एम्बूलेंस से पहुंचाया अस्पताल, जिले में रोज हो रहे सड़क हादसे

बेकाबू कार ने बाइक सवार को कुचला, घटनास्थल पर ही दम तोड़ा

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सड़क दुर्घटना के मामलों में जबलपुर पुलिस जोन में सबसे आगे है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और वाहन चालकों को निर्धारित यातायात नियमों की समुचित जानकारी देने के लिए कुछ दिनों तक पुलिस अधिकारी अपने अधीनस्थ सहित संबंधित विभागों के साथ बैठक करने के बाद मामले को तत्काल ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। आलम यह है कि यह शहर से देहात तक रोज एक्सीडेंट हो रहे हैं, छोटे-छोटे कई सड़क हादसे पुलिस थाना तक पहुंचते ही नहीं हैं। सड़क हादसों को रोकने के लिए पुलिस, प्रशासन और परिवहन द्वारा कोई ठोस कार्य फील्ड पर कभी दिखाई नहीं देता। बीते 3 माह में 2 सैकड़ा से अधिक सड़क हादसे जिला सीमा में हुए,जिसमें नेशनल-स्टेट हाईवे में 3 दर्जन से अधिक लोगों की असमय मौत हो गई। जांच रिपोर्ट के मुताबिक सड़क हादसे बढ़ने का सबसे बड़ा कारण ओवरस्पीडिंग है। इसके साथ ही नशे में ड्राइविंग करना, ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करना और लापरवाही से ड्राइविंग करना आदि शामिल है।

सिर में था हेलमेट, नाक में लगी चोट

बताया जाता है कि बाइक सवार युवक सिर में हेलमेट लगाए हुए था। कार की टक्कर लगते ही वह सड़क पर चेहरे के बल गिरा और नाक में चोट आ गई। नाक में चोट लगते ही शेख आजाद की नाक से अधिक मात्रा में खून निकलने से उसकी मौके पर मौत हो गई।

अनियंत्रित होकर खेत में जाकर पलटी कार

शहपुरा भिटोनी से चरगवां मालकछार रोड़ में ईको कार के चालक ने बाइक सवार चालक को टक्कर मारते हुए कुचल दिया, जिसमें युवक ने मौके पर दम तोड़ दिया। बाइक में टक्कर मारने के बाद कार अनियंत्रित होकर खेत में जाकर पलट गई। हादसे में कार सवार 3 लोगों को चोट आई हैं, जिन्हें 108 एम्बूलेंस की मदद से उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सड़क दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने प्राथमिक कार्रवाई करते हुए लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शहपुरा पुलिस ने बताया कि अहमदपुर निवासी शेख आजाद शहपुरा आने के बाद बाइक क्रमांक एमपी 20 केएम 0422 से वापस अपने घर जा रहा था। शेख आजाद मालकछार रोड पर तभी सामने से आ रही ईको कार क्रमांक एमपी 20 जेडडी 0215 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। कार की तेज टक्कर लगते ही आजाद बाइक सहित सड़क पर गिर गया।

अतिक्रमण अभियान: कानून सिर्फ गरीबों के लिए?

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर, अतुल कुमार।

जबलपुर शहर में इन दिनों चल रहा अतिक्रमण हटाओ अभियान यदि निष्पक्ष और समान रूप से लागू होता दिखाई देता, तो शायद जनता इसे प्रशासनिक व्यवस्था की मजबूती का संकेत मानती। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही सवाल खड़े कर रही है। आज हालात यह बन गए हैं कि इस अभियान की मार लगभग पूरी तरह गरीब व फुटपाथ पर जीवन गुजारने वालों पर ही पड़ती नजर आ रही है, जबकि शहर के प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों और व्यावसायिक इलाकों में तने हुए बड़े-बड़े शोरूम, मॉल, बहुमंजिला दुकानें और हाई-प्रोफाइल व्यापारिक प्रतिष्ठान अतिक्रमण की परिधि से बाहर नजर आते हैं। फुटपाथ किनारे सब्जी बेचने वाला, ठेले पर चाय-सिगरेट बेचकर परिवार पालने वाला मजदूर और छोटे अस्थायी दुकानदारों पर बुलडोजर चला दिया जाता है, लेकिन सार्वजनिक स्थान घेरकर खड़ी पक्की दुकानों, आगे तक बढ़े हुए प्लेटफार्म, सड़क पर उतरी सीढ़ियां और कब्जों पर कार्रवाई की हिम्मत कहीं दिखाई नहीं देती। यह स्थिति प्रशासनिक कार्रवाई की निष्पक्षता पर सीधा सवाल खड़ा करती है। क्या कानून सिर्फ कमजोर के लिए है? क्या अतिक्रमण केवल वही है जो गरीब करता है? क्या सामर्थ्यवानों के निर्माण और कब्जे अतिक्रमण की परिभाषा से बाहर हैं? यदि अभियान का उद्देश्य वास्तव में सड़क चौड़ीकरण, यातायात सुधार और शहर को सुव्यवस्थित बनाना है, तो कार्रवाई सभी पर समान रूप से होनी चाहिए – चाहे वो ठेला लगाने वाला हो या करोड़ों का कारोबार करने वाला शोरूम संचालक। अफसोस की बात यह है कि वर्तमान कार्रवाई जनता को यह संदेश देती प्रतीत होती है कि प्रशासनिक बुलडोजर की दिशा कमजोर की ओर ही तय है – क्योंकि वहां प्रतिरोध नहीं, राजनीतिक दबाव नहीं और न ही महंगे वकीलों की दीवार खड़ी होती है। नगर प्रशासन को समझना होगा कि चुनिंदा कार्रवाई से कानून का सम्मान नहीं, बल्कि उसकी विश्वसनीयता कमजोर होती है। शहर का सौंदर्यीकरण तब ही सार्थक होगा जब न्याय हर वर्ग के साथ समान रूप से हो। अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जरूरी है, लेकिन न्यायपूर्ण होना उससे कहीं अधिक जरूरी। यदि बड़े अतिक्रमणों पर आंखें मूंद ली जाएं और गरीबों की रोजी पर एकतरफा प्रहार किया जाए, तो यह अभियान व्यवस्था सुधार नहीं, बल्कि "खानापूर्ति" बनकर रह जाएगा। प्रशासन से अपेक्षा है कि वह इस अभियान की दिशा पर पुनर्विचार करे, और कानून को कमजोर-मजबूत की दीवार से निकालकर जनता के विश्वास के धरातल पर लाए।

सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत को रोकने के हरसंभव प्रयास शुरू

एसपी के निर्देश पर चल रहा है विशेष यातायात जागरूकता अभियान

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सड़क दुर्घटनाओं में मौत कम करने के लिए शिक्षा, इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। हेलमेट और सीट बेल्ट पहनना, शराब पीकर गाड़ी न चलाना और यातायात नियमों का पालन करना जैसे व्यक्तिगत उपाय महत्वपूर्ण हैं। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और एसपी सम्मत उपाध्याय की उपस्थिति में यातायात नियमों के प्रति वाहन चालकों को जागरूक करने विशेष जागरूकता वाहन रैली को रवाना किया गया है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर में कमी लाने के लिए एसपी सम्पत उपाध्याय द्वारा 26 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही सीपीआर का प्रशिक्षण भी एक्सपर्ट डॉक्टरों के द्वारा दिया गया है। एसपी ने सम्पत उपाध्याय ने कहा कि सीपीआर तकनीक बहुत उपयोगी है जिसके बारे में सबको ज्ञान होना बहुत जरूरी है, जब भी कोई घटना होती है तो सबसे पहले पुलिस मौके पर पहुंचती है। सीपीआर तकनीक का ज्ञान होने पर पुलिसकर्मी द्वारा जान बचाई जा सकती है। इसी उद्देश्य को लेकर पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षा उपायों से अवगत कराते हुए सीपीआर तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया है। इस मौके पर जिला जिला चिकित्सालय के डाक्टर संजय जैन, एनएसएस क्वाडीनेटर डॉ. शोभाराम, एएसपी आयुष गुप्ता, एएसपी यातायात अंजना तिवारी, एएसपी क्राइम जितेन्द्र सिंह, डीएसपी यातायात संतोष शुक्ला, डीएसपी बैजनाथ प्रजापति अन्य उपस्थित रहे।

गंदगी के चलते निपट गया साईं गृह उद्योग

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गंदगी के चलते करमेता स्थित साईं गृह उद्योग पर प्रशासनिक कार्यवाही की तलवार गिरी। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले में खाद्य निमार्ताओं के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की गई। अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य निर्माण करने और अनिवार्य लाइसेंस के अभाव में श्रीराम कॉलेज के पास, दीक्षित कॉलोनी, करमेटा में संचालित साई गृह उद्योग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नूडल्स को गंदगी के बीच जमीन पर सुखाया जा रहा था। अत्यंत अस्वास्थ्यकर एवं अस्वच्छ वातावरण में पैकिंग की जा रही थी, जो कि जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन देवेन्द्र कुमार दुबे ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि प्रतिष्ठान का वार्षिक टर्नओवर 12 लाख रुपये से अधिक है, लेकिन खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 की धारा 31 के अंतर्गत अनिवार्य खाद्य लाइसेंस प्राप्त नहीं किया है। अस्वच्छता की गंभीरता और लाइसेंस के अभाव को देखते हुए पंजीयन प्राधिकारी ने लोक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रतिष्ठान का खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। साथ ही वैध खाद्य लाइसेंस प्राप्त करने तक प्रतिष्ठान में खाद्य निर्माण एवं व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

शासकीय योजना से दो लाख रुपए कर दिए स्वीकृत

अपात्र हितग्राही को लाभ पहुंचाने वाला सचिव निलंबित

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जनपद पंचायत सिहोरा की ग्राम पंचायत बुधारी में एक अपात्र हितग्राही को नियमों को ताक पर रखकर आर्थिक लाभ पहुंचाने का मामला सामने आया है। जहां सचिव ने शासकीय योजना के तहत एक व्यक्ति को दो लाख रुपए का लाभ पहुंचाया। शिकायत होने के बाद प्रकरण की जांच के बाद सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत ने पंचायत सचिव पुरुषोत्तम यादव को निलंबित कर दिया है। साथ ही उन्होंने सभी जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश दिए हैं कि वे सभी अपने-अपनी पंचायतों में इस बात की जांच कराएं कि नियम विरुद्ध तरीके से किसी अपात्र को शासकीय योजना का लाभ तो नहीं दिया जा रहा। सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि 21 नवंबर को एक शिकायत प्राप्त हुई थी की बुधारी निवासी छोटे लाल जो की कर्मकार मंडल का सदस्य था उसकी मृत्यु सामान्य न होकर आत्महत्या थी। इसके बाद भी नियामों शिथिल करते हुए उसके आश्रित को दो लाख रुपए की अनुग्रह सहायता राशि दी गई। इस शिकायत की जांच कराई गई और सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। मामले में सचिव पुरुषोत्तम यादव द्वारा 27 नवंबर को जो स्पष्टीकरण दिया गया वह संतोषप्रद नहीं पाया गया। सीईओ ने बताया कि प्रकरण की जांच में यह भी बात सामने आई कि छोटे लाल की मृत्यु फांसी लगाने के कारण हुई थी जबकि सामान्य मृत्यु में दो लाख रुपए और दुर्घटना के दौरान मृत्यु होने पर 4 लाख रुपए दिए जाने का प्रावधान है। आत्म हत्या के प्रकरण में किसी भी प्रकार की अनुग्रह राशि नहीं दी जाती है इस प्रकरण में सचिव द्वारा अनुग्रह राशि देकर नियम वृद्धि कृत्य किया गया है जो पदीय दायित्वों का दुरुपयोग का कृत्य पाया गया। जिसके चलते उक्त सचिव पुरुषोत्तम यादव को निलंबित कर दिया गया है।

जिला दंडाधिकारी ने किया तीन आदतन अपराधियों का जिला बदर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अलग-अलग आदेश जारी कर तीन आदतन अपराधियों का उनके समाज विरोधी गतिविधियों पर नियंत्रण के उद्देश्य से जिला बदर कर दिया है। जिला बदर किये गये इन अपराधियों में कुलियाना मोहल्ला मदन महल निवासी राकेश झारिया उम्र 36 वर्ष, बापू कॉलोनी लटकारी का पड़ाव निवासी संकेत राठौर उम्र 22 वर्ष एवं बरगी बायपास रोड थाना बरगी निवासी संजय उर्फ छोटू माली उम्र 33 वर्ष शामिल है। पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय की अनुशंसा पर इन तीनों अपराधियों को तीन-तीन माह की अवधि के लिए जिले से निष्काषित किया गया है। इस दौरान ये जबलपुर सहित इससे लगे मंडला, डिंडोरी, नरसिंहपुर, सिवनी, कटनी, दमोह एवं उमरिया जिलों की राजस्व सीमा में भी प्रवेश और निवास नहीं कर सकेंगे। जिला बदर किये गये तीनों आदतन अपराधियों पर मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने, हत्या, जुआं सट्टा खिलाने, अवैध वसूली करने, बलवा करने, शाराब का अवैध विक्रय करने जैसे कई गंभीर प्रकरण दर्ज हैं।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयॉं घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल मोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)
म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)

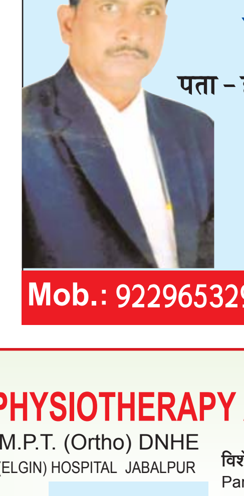

पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

विश्व दिव्यांग दिवस में हुआ जागरूकता रैली और संगोष्ठी का सफल आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में आज प्रगति शैक्षिक अध्ययन संस्थान के प्रांगण से एक विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएँ और एम.एड., बी.एड. के छात्र-अध्यापक शामिल हुए। संस्थान के प्राचार्य डॉ. राम मोहन तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया, जो पीएसएम कॉलेज से कलेक्ट्रेट, घंटा घर, जिला कोर्ट और हाईकोर्ट चौराहे से होते हुए वापस संस्थान पहुँची। रैली का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगों के अधिकार संरक्षण, उनकी पूर्ण भागीदारी और समान अवसर के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना था। इसी श्रृंखला में, अगले दिन पीएसएम महाविद्यालय के प्रेक्षा भवन में संभागीय स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समावेशी शिक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. आर.एन. पटेल ने जानकारी दी कि इस संगोष्ठी में दिव्यांग अधिकार अधिनियम और नई शिक्षा नीति 2020 के परिपेक्ष्य में दिव्यांगों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें राष्ट्रीय न्यास अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को भी शामिल किया गया, जिसका मकसद दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उनके सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना था।

लोक निर्माण मंत्री सिंह ने शहर के प्रमुख चौराहों का किया निरीक्षण

सौंदर्यीकरण एवं यातायात व्यवस्था सुधार के दिए निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने आज बुधवार को अंधमूक बायपास चौराहे सहित पशचिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आदि शंकराचार्य चौक, रानी अवंतीबाई चौक, धनवंतरी नगर चौराहा, मेडीकल चौक एवं रामपुर चौक जैसे शहर के प्रमुख चौराहों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन चौराहों को व्यवस्थित, सुंदर और आकर्षक स्वरूप देने के लिए संबंधित अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सिंह ने प्रत्येक स्थान पर यातायात व्यवस्था, सुरक्षा एवं सौंदर्यीकरण की वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए स्थानीय समस्याओं और आवश्यकताओं को गहनता से समझा। उन्होंने अधिकारियों के साथ इन चौराहों के विकास एवं सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना पर चर्चा भी की। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष श्री रिकुंज वजि, नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि संस्कारधानी के मुख्य मार्ग और चौराहे केवल व्यवस्थित ही नहीं, बल्कि शहर की गरिमा और सांस्कृतिक पहचान के अनुरूप आकर्षक भी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि इन चौराहों पर जबलपुर की सांस्कृतिक विरासत स्पष्ट रूप से परिलक्षित होनी चाहिए। मंत्री श्री राकेश सिंह ने सभी चौराहों के सुंदर एवं भव्य स्वरूप में विकास, उचित प्रकाश व्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

Mob.: 9770559042 Reg No. 48783
THE BEST ORTHO PHYSIOTHERAPY AND WELLNESS CENTRE
Dr. Riya Sonkar (PT) B.P.T., M.P.T. (Ortho) DNHE
Physiotherapist at GOVT RANIDURGAWATI (ELGIN) HOSPITAL JABALPUR
* Cupping & Manual Therapy
* Certified IASTM Therapist
* Certified Dry Needling Therapist
YOGA FITNESS CLASS ZUMBA
HOME VISIT AVAILABLE
64, Saket Nagar, Badi ukhri, Jabalpur (M.P.)
विशेष उपचार :-
Paralysis (लकवा)
Neck Pain (गर्दन दर्द)
Sciatica (सायटिका)
Frozen Shoulder (कंधे का दर्द)
Joint Pain (जोंड़ो का दर्द)
Osteoarthritis (बात)
Disc Prolapse/Slip disc (रीढ़ की हड्डी का खिसक जाना)
Facial Palsy etc (चेहरे का लकवा)
WEIGHT LOSS DIET
आधुनिक मशीनों एवं कसरत व व्यायम द्वारा उपचार किए जाते है

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

किसानों ने निकाली ट्रैक्टर रैली, थाने के सामने राजमार्ग 72 पर किया चक्का जाम, लालबर्रा से सिवनी राजमार्ग पर 2 घंटे लगा रहा जाम

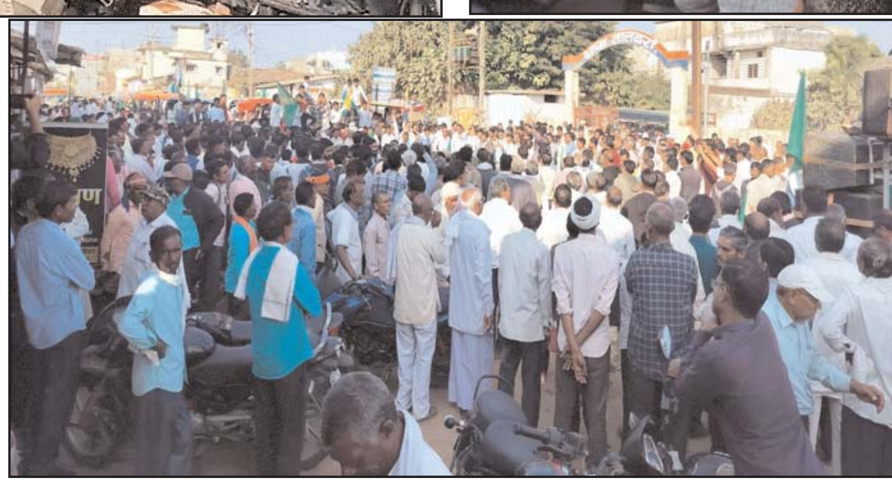

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। बालाघाट-सिवनी राजमार्ग 72 पर बुधवार 3 दिसंबर को लालबर्रा तहसील मुख्यालय में पुलिस थाने के सामने 2 घंटे किसानों ने सिंचाई, बिजली संकट सहित अन्य जायज मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। इससे बालाघाट-सिवनी मार्ग पर वाहनों के पहिए थमे रहने से दोनों तरफ से लंबी वाहनों की कतार लगी रही। ऐसे में यात्री वाहन, स्कूल बसें, एंबुलेंस और ट्रकों को जाम में फंसे रहना पड़ा। इसके कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। किसानों ने इसके पूर्व बैल बाजार से विशाल ट्रैक्टर रैली निकाली गई।

इधर, किसानों के आंदोलन की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, एसडीओपी अभिषेक चौधरी, तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर किसान नेताओं को खूब समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसानों ने कहा कि कोई जाति नहीं, कोई पार्टी नहीं, हम सिर्फ किसान हैं। हमारे वोट से सरकार बनती है, हमारी समस्या क्यों नहीं सुनी जाती। प्रदर्शन के दौरान कलेक्टर को मौके पर बुलाने की जिद पर अड़े थे। इस बीच बड़े मुश्किल से वारासिवनी एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने किसानों को समझाइश दी। इसके थोड़ी देर बाद एसडीएम वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल भी स्थल पर पहुंचे और आंदोलनकारी किसानों से बात की।

किसान नेताओं ने बस स्टैंड स्थित गांधी सभा मंच पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र के किसान पिछले तीन वर्ष से अपनी जायज मांगों को लेकर लगातार आवाज़ उठा रहे है, लेकिन अब तक समाधान नहीं हो पाया है। सरकार को बार-बार अवगत कराया गया, पर नहरों का सुधार का सुधार नहीं किया जा रहा है। ऐसे में ढूटी जलाशय से पानी छोड़े जाने पर कई जगह नहर का पानी बहते रहता है। इसके अलावा पाइपलाइन स्वीकृति और सिंचाई की व्यवस्था अब तक पूरी नहीं हो पाई है। ऐसे में किसानों को आंदोलन करना मजबूरी बन गई है। किसानों ने बताया कि वैनगंगा नदी से लिफ्ट सिंचाई परियोजना की स्वीकृति मुरूमनाला, चावरपानी, टेकाड़ी तालाब, रानी उमरझोला, कटंगझरी तक पाइपलाइन बिछाने की मांग है। साथ ही 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जाए, लेकिन बिजली ठीक ढंग से नहीं मिल रही है।

रबी सीजन के लिए पर्याप्त सिंचाई व्यवस्था नहीं है। धान का समर्थन मूल्य 3100 प्रति क्विंटल, गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 प्रति क्विंटल में खरीदा जाए। सोसायटी में डीएपी, यूरिया का पर्याप्त भंडारण हो। खेत पहुंच मार्गों का विकास किया जाए।कृषि विद्युत लाइन का विस्तार, उत्पादन आधारित भंडारण व्यवस्था करें। धान खरीदी केंद्रों पर 40.500 ग्राम का सही तौल अनिवार्य, नेशनलाइज्ड बैंक खाताधारकों को नकद खाद वितरण सुविधा की जाए। सभा के बाद एसडीएम को 14 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। किसानों ने कहा कि यदि जल्द ही समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन को और बड़ा रूप देने की बात कही है।

फांसी पर लटका मिला युवक का शव, कारण अज्ञात, जांच में जुटी पुलिस

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मॉयल नगरी भरवेली, के वार्ड क्रमांक 07 में निवासरत महर्षी पिता श्रीराम कुमरे (23) ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि महर्षी ने आत्महत्या क्यों की यह अभी पता नहीं चल पाया है। इस मामले में परिजन, भी कुछ नहीं बता रहे है।

बताया जाता है कि मंगलवार की रात, घर के कमरे में महर्षी को फांसी पर लटका देखा गया। जिसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना भरवेली पुलिस को दी। चूंकि देररात हो जाने के कारण, भरवेली पुलिस ने शव का पीएम, बुधवार 3 दिसंबर को, जिला अस्पताल में करवाकर, शव परिजनों को सौंप दिया है। भरवेली पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया है। भरवेली पुलिस ने बताया कि परिजनों के बयान और मामले की जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि युवक महर्षी ने फांसी क्यों लगाई।

कर्मचारियों के कहने पर सोसायटी में बंद करवा दी खरीदी

परेशान किसानो ने कहा सोसायटी को यथावत रखा जाए केन्द्र

किसानों को 15 किमी से ज्यादा की पड रही दूरी

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी 185 धान खरीदी केन्द्रो में, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, 1 दिसंबर से प्रारंभ कर दी गई है लेकिन, बनाए गए खरीदी केन्द्र की दूरी ज्यादा होन से किसान नाराज है। बुधवार को किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष भुरू पटेल की अगुवाही में जिले के लांजी क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन को खरीदी केन्द्र को बदले जाने का विरोध करते हुए कुम्हारीकला केन्द्र को यथावत रखे जाने की मांग की।

किसान अंचल कुमार कालबेले ने बताया कि, दशको से सेवा सहकारी समिति कुम्हारीकला में धान खरीदी की जा रही है, कई बार स्थान परिवर्तन किया गया लेकिन, फिर सोसायटी में धान खरीदी गई लेकिन इस बार सोसायटी, कर्मचारियों के धान खरीदी से इंकार करने के कारण,

कुम्हारीकला के किसानों के लिए, पालडोंगरी कैप को धान खरीदी का केन्द्र बना दिया गया है। जिससे सेवा सहकारी समिति कुम्हारीकला से जु? किसान नाराज है, चूंकि, कुम्हारीकला से पालडोंगरी कैप की दूरी, 15 से 18 किलोमीटर है, ऐसे में किसान, कैसे कैप मे जाकर, कैसे, धान बेच पाएगा। क्षेत्र का किसान चाहता है कि कुम्हारीकला सोसायटी में ही धान खरीदी, प्रारंभ कराई जाए।

किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष भुरू पटेल ने बताया कि सरकार, किसानों को परेशान कर रही है। किसानों की सुविधा को देखते हुए, प्रशासन, कुम्हारीकला, सोसायटी को ही केन्द्र बनाकर, यहां धान खरीदी कराए। उन्होंने बताया कि कलेक्टर से इस मामले में चर्चा की गई है, जिन्होंने कांग्रेस की मांगो को जायज करार देते हुए मांगो के निराकरण का भरोसा दिलाया है।

पुलिस के डर से वृद्ध ने खा ली कीटनाशक

डोरा चौकी पुलिस ने किया इंकार, मृतक पर दर्ज था मामला, पेश होना था चालान

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। पुलिस के डर से वृद्ध ने घर में रखी कीटनाशक दवा खा ली। जिससे उसकी जिला अस्पताल में मौत हो गई। रूपझर थाना क्षेत्र के डोरा चौकी अंतर्गत पंचमसिंह धुर्वे पिता स्व. शंकर धुर्वे (60) की मौत के पीछे की यह कहानी, मृतक से जड़े लोग दबी जुबान से बता रहे है, हालांकि इस मामले में परिजनों ने में कोई बात नहीं की। डोरा पुलिस चौकी के एएसआई धनेन्द्र कलिहारी बताते है कि 19 अक्टूबर को मारपीट के एक मामले में पंचमसिंह धुर्वे के नाम पर एक अपराध दर्ज है। जिसका चालान पेश होना था। संभवत: किसी ने उसे कहा हो कि चालान के बारे में जानकारी लेने पुलिस के पास चला जाए, लेकिन, उन्होंने पुलिस चौकी से उसे बुलाने की बात पर इंकार किया।

जो सामने घटनाक्रम आ रहा है, उसके अनुसार पंचम के जमानत पर होने की बात कही जा रही है। फिलहाल मामला जो भी लेकिन दबी जुबान से जो बात सामने आ रही है, उसके अनुसार, पंचम, डरा हुआ था और संभवत: इसी डर के कारण, उसने घर में रखी जहरीली दवा खा ली। जिसकी ईलाज के दौरान मंगलवार की देररात मौत हो गई। अस्पताल से डॉ. की तहरीर मिलने के बाद अस्पताल चौकी पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्यवाही के बाद बुधवार को शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। अस्पताल चौकी पुलिस ने बताया कि मर्ग डायरी, संबंधित चौकी क्षेत्र को भेजी जाएगी। जहां से मामले की अग्रिम जांच की जाएगी। बहरहाल, इस मामले के पीछे जो सवाल खड़े हो रहे है, उस पर जांच की जरूरत जानकार बता रहे है। ताकि पुलिस डर से वृद्ध के कीटनाशक दवा खाने की वास्तविकता सामने आ सके।

परेशान हो रहे छात्र-छात्राएं, अधिकारी बेखबर

ठंड में सुबह 6 बजे लाईन लगाने की जददोजहद

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले में इन दिनो, स्कूली विद्यार्थियों को परेशान होना पड़ रहा है, परीक्षा के ऐनवक्त, उन्हें गांव छोड़कर, कई किलोमीटर की दूरी सेस बालाघाट में आकर, आधार अपडेशन करवाना पड़ रहा है, ऐसे में यह भी निश्चित नहीं है कि उसी दिन, उसके आधार कार्ड का अपडेशन हो जाएगा। हालांकि बालाघाट के दो सेंटरो में अपडेशन काम हो रहा है लेकिन, ठंड भरे, इन दिनो में सुबह से ही बच्चों को अभिभावकों के साथ, सेंटर पहुंचना पड़ रहा है। ऐसे में उसे कितना वक्त लगेगा यह साफ नहीं है, जबकि, इसके लिए स्कूल नहीं तो कम से कम संकुल स्तर पर इसकी व्यवस्था होनी चाहिए था। ताकि अभिभावकों और विद्यार्थियों को परेशान नहीं होना पड़ता।

अभिभावको और स्वयं भी वाहनों से विद्यार्थी, सुबह पहुंचकर, अपना नंबर लगाने, लाईन में लग जा रहे है, सेंटरो में बड़ती छात्रो की संख्या से संस्थान में भीड़ लगी रहती है। किरनापुर, परसवाड़ा सहित जिले के सभी क्षेत्रो से विद्यार्थी, इन दिनो आधार अपडेशन कराने, पोस्ट ऑफिस और नगरपालिका पहुंच रहे है। जहां बच्चों को आधार अपडेशन करवाने में संघर्ष करना पड़ रहा है। इस मामले में ना तो छात्रो के हितों की आवाज बुलंद करने वाले नजर आ रहे है और ना ही शिक्षा विभाग, गंभीर है, जिम्मेदार बेखबर है और जिन पर जिम्मेदारी

आधार कार्ड में अपडेशन कराने भटक रहे विद्यार्थी, कहा जरूरी है नहीं बना तो परीक्षा में बैठने नहीं देंगे

है, वह मस्त मौला की तरह काम करते दिखाई दे रहे है। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, बताते है कि यह काम डीपीसी के माध्यम से होना है और इसके लिए मशीनों को स्कूलो में लगाया जाना चाहिए था लेकिन मेरी जानकारी में अब तक ऐसी कोई प्रक्रिया हुई नहीं है और ना ही मुझे कोई जानकारी है। इस मामले में मैं डीपीसी से चर्चा कर, आपको बताता हुँ। जब, इस मामले में स्पष्ट आदेश है कि विद्यार्थियों के आधार अपडेशन करवाने, जिम्मेदारों को वरिष्ठ स्तर पर निर्देश जारी किए गए है।

बालाघाट पहुंचे किरनापुर क्षेत्र के रमगड़ी निवासी कमलेश गजभिए, बताते है कि स्कूल में बच्चों से कहा गया है कि वह आधार अपडेशन नहीं करवाएंगे तो परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा। एक अन्य अभिभावक लिंगा परसवाड़ा निवासी जागेन्द्र पारधी बताते है कि स्कूलो में 15 साल से ज्यादा आयुवर्ग के बच्चों को आधार अपडेशन करवाने कहा गया है। सेंटर में भयंकर भीड़ है, ऐसे में हम करे कैसे। नैतरा निवासी छात्र आर्यन शेंडे ने बताया कि 50 फार्म ही लिए जा रहे है। जिसके कारण, आधार अपडेशन करवाने में समस्या हो रही है। जानकार बताते है कि यदि सर्वर सही चले तो फर्म सम्मिट हो जाता है लेकिन कार्ड बनने में समय लगता है। फिलहाल इस पूरे मामले से जिला शिक्षा अधिकारी के बताए अनुसार, हमने डीपीसी घनश्याम प्रसाद बर्मन से इस मामले में चर्चा करने, उन्हें कॉल किया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। ऐसे में पग-पग पर विद्यार्थियों को आधार अपडेशन करवाने के लिए भटकना पड़ रहा है।

50 साल से मां अन्नपूर्णा मंदिर में जल रही मन्नत ज्योति कलश

एक माह तक होती विधि विधान से पूजा

आज अगहन मास के समापन पर विसर्जित होंगे ज्योति कलश

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। शहर के 127 साल पुराने मां अन्नपूर्णा मंदिर में 50 वर्षो से अघन से पूर्णिमा, पूरे एक मास तक मन्नत ज्योति प्रज्जलवित होते आ रही है। इस वर्ष तकरीबन 114 मन्नत ज्योति प्रज्जलवित हो रही है। जिनका आज 4 दिसंबर, पूर्णिमा को मोती सरोवर में विसर्जन किया जाएगा।

अघन की एकम से सिद्ध पीठ अन्नपूर्णा मंदिर में प्रज्जलवित मन्नत ज्योति स्वरूप में पूरे मास, मां अन्नपूर्णा जी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। खास तौर पर महिलाएं, व्रत रखकर माता रानी की ओली भरकर अपने सुहाग और घर परिजनों की संपन्नता के लिए माता रानी से मन्नत करती हैं और ऐसा माना जाता है कि इस सिद्ध पीठ से भक्त कभी खाली हाथ नहीं लौटते हैं। इस मंदिर की प्रतिष्ठित मान्यता यह है कि यहां के अक्षत जो अपने घर ले जाकर अन्न की कोठी में रखता है उसके घर संपन्नता बनी रहती है, और भक्त अपनी जो भी मन्नत लेकर माता रानी के दरबार में आता है उसकी झोली माता रानी अपने आशीर्वाद से भारती है।सचिव सुशील वर्मा ने बताया कि 127 साल पुराने मां अन्नपूर्णा मंदिर में आज 4 दिसंबर को पूर्णिमा को अघन मास के समापन पर प्रात: 10 बजे हवन-पूजन, मातारानी को छप्पन भोग, मन्नत कलश का विसर्जन और मां अन्नपूर्णा का महाप्रसाद भक्तो में वितरित किया जाएगा।

मंदिर समिति अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सचिव सुशील वर्मा, उपाध्यक्ष ओम सोनी, हरिओम अग्रवाल, संरक्षक आलोक नेमा, कोषाध्यक्ष संदीप नेमा, कार्यकारिणी सदस्य सत्येंद्र श्रीवास्तव सहित समिति पदाधिकारियों ने भक्तजनों से अपील की है कि माता रानी के उत्सव के समापन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

संपादकीय

एसआईआर एक घातक ड्रामा

क्या संसद में भी ड्रामा होता है? बेशक हमने संसद के भीतर हंगामे, हुल्लड़बाजी, आसन की ओर किताब फेंकना या सभापति का माइक तोड़? की कोशिश करना, मेज पर चढ़ कर नृत्य करना आदि अराजकताएं और अनुशासनहीनता तो देखी हैं। वे शाश्वत हैं, क्योंकि विपक्ष ऐसा ही व्यवहार करता रहा है। यही उसकी संवैधानिकता मान ली गई है। भाजपा बिल्कुल भी अछूती नहीं है। संसद में हंगामा और कई-कई दिनों तक कार्यवाही को बाधित करने के उसके भी कीर्तिमान दर्ज हैं। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को निशाना बनाते हुए, उस पर तंज करते हुए, कहा है कि संसद ड्रामा की जगह नहीं है। ड्रामे के लिए पूरा देश खाली पड़ा है। संसद में तो डिलीवरी होनी चाहिए। हम भी मानते हैं कि संसद में राष्ट्र-निर्माण के निर्णय लिए जाने चाहिए, लेकिन 12 मिनट में 4 विधेयक पेश कर दिए जाएं और एक पारित भी कर लिया जाए, तो यह कौन-सा ड्रामा है? याद करें, संसद के मानसून सत्र के दौरान करीब 15 मिनट में 12 बिल पारित कर लिए गए थे। ऐसा कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भी होता रहा है, जब मिनटों में ही बिल पारित कर लिए गए। इस हम्माम में सभी मौजूद हैं। कमोबेश यह संसदीय प्रणाली नहीं, संसद के नाम पर ड्रामा है। संसद पक्ष-विपक्ष की आपसी विरोधी चचाओं, आरोपों-प्रत्यारोपों का सबसे बड़ा, गणतांत्रिक मंच है, क्योंकि सभी निर्वाचित सांसद होते हैं। प्रधानमंत्री भी पूरे देश के, विपक्ष के भी, प्रधानमंत्री हैं, लिहाजा उन्हें निर्वाचित सांसदों के लिए गरिमामय, शालीन, सौम्य, संसदीय भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। ड्रामा ऐसा शब्द नहीं है। चुनावी पराजय की हताशा, झुंझलाहट, कुंठा आदि की बात भी राजनीतिक या चुनावी मंचों तक ही सीमित रखनी चाहिए। संसद के मायने ही अलग हैं। दरअसल ड्रामा तो एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) और चुनाव आयोग के नाम पर खेला जा रहा है। बीते कल एक वीडियो टीवी चैनलों पर प्रसारित होता रहा। उप्र के एक बीएलओ ने आत्महत्या से पहले यह वीडियो बनाया था। वीडियो में बीएलओ अपनी मां से बार-बार माफी मांग रहा है और चार छोटी-छोटी बेटियों का ख्याल रखने की गुहार कर रहा है। वह व्यक्ति लगातार रो रहा है। कमोबेश इससे ज्यादा मार्मिक और पीड़ित दृश्य नहीं हो सकता, लेकिन ऐसी आत्महत्याओं के बाद भी चुनाव आयोग दावे करता रहा है कि सब कुछ 99 फीसदी हो रहा है। लानत है ऐसी संवैधानिक व्यवस्था पर! संसद में ड्रामा यह किया गया है कि 14 दिसंबर, 1988 की तत्कालीन स्पीकर बलराम जाखड़ (प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे) की रूलिंग का हवाला देते हुए सरकार ने संसद में एसआईआर और चुनाव आयोग की भूमिका पर, किसी भी नियम के तहत, चर्चा कराने से इंकार कर दिया है। क्या स्पीकर की रूलिंग और चुनाव आयोग सरीखी संवैधानिक, स्वायत्त संस्था संसद के लिए कोई संवैधानिक विवशता है कि उन्हें लांघा नहीं जा सकता? संसद सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले को तो पलट सकती है, लेकिन स्पीकर की रूलिंग लक्ष्मण-रेखा है। दरअसल कोई संवैधानिक बाध्यता अथवा लकीर नहीं है। चुनाव आयोग का बजट संसद पारित करती है। कानून मंत्रालय इसे पेश करता है। आयोग के तीनों सर्वोच्च आयुक्त प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कमेटी नियुक्त करती है। चूंकि अब सूत्र बता रहे हैं कि चुनाव सुधार के बैनर तले, एसआईआर का नाम लिए बिना ही, संसद में इस मुद्दे पर बहस हो सकती है। विपक्ष का एक धड़ा इसके लिए सहमत है। एसआईआर के कारण अभी तक 40 मौतें (आत्महत्या समेत) हो चुकी हैं। क्या यह आंकड़ा चुनाव आयोग के आयुक्तों को नहीं झकझोरता? क्या इससे भी अधिक घातक कोई व्यवहार और उसका ड्रामा हो सकता है? दरअसल सर्वोच्च अदालत में वरिष्ठ संविधान विशेषज्ञ अभिषेक मनु सिंघवी ने 53 मिनट की अपनी दलीलों में यह स्थापित करने की कोशिश की है कि एसआईआर एक असंवैधानिक और अवैध प्रक्रिया है। यह एक विशेष चुनाव क्षेत्र में की जा सकती है, एक साथ 12 राज्यों अथवा देश भर में नहीं। यह जनप्रतिनिधित्व कानून के भी खिलाफ है

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्योरिटी एंड नैशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए।सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरुआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है इस सत्र से सरकार 14 महत्त्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की, संवैधानिक मर्यादाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है।

देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए, तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है; यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है। सदन की मयार्दा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है। सभापति का सम्मान करना, नियमों का पालन करना, विषय पर रहने वाली बहस करना और असहमति में भी सभ्यता-शालीनता बनाए रखना-ये संसदीय चरित्र के मूल तत्व हैं। इनका पालन ही संसद की शुचिता को बनाए रख सकता है। यदि सरकार बहुमत के अहंकार में विपक्ष की उपेक्षा करती है तो यह गलत है; लेकिन यदि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका छोड़कर केवल अवरोध बन जाए तो यह भी लोकतंत्र के साथ अन्याय है। संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इसी दृष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मयार्दा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए, प्रेरणा बन सकता है, बशर्ते संसद स्वयं अपने भीतर अनुशासन, शांति और संवाद की संस्कृति को स्थापित करे। यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो। यदि यह संभव हुआ तो यह केवल एक सत्र की सफलता नहीं होगी, बल्कि भारत के लोकतंत्र की विजय होगी।

राशिफल

मेष राशि :- हर्ष, लाभ, सुख, पदोन्नति के योग हैं, वायु विकार, दाम्पत्य जीवन सरल-सुखी रहेगा।

वृष राशि :- वाहन सुख, विद्या कष्ट, राजभय, आर्थिक हानि, विशेष हानि तथा विरोध होगा।

मिथुन राशि :- लाभ के योग बनेंगे, सुयश, कार्य सिद्धी, शत्रुभय, राज-काज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क राशि :- कार्य सिद्धी, लाभ, धन व्यय, हर्ष, धार्मिक एवं शुभ कार्यों में सावधानी अवश्य रखें।

सिंह राशि :- शत्रु भय, कलह, लाभ एवं सुयश की प्राप्ति, सामाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा मिलेगी।

कन्या राशि :- थोड़ा लाभ, शुभ समाचार की प्राप्ति होगी, प्रबलता के योग बनेंगे, विवाद होगा।

तुला राशि :- हर्ष, पदोन्नति के योग, रुके कार्य प्रयास से बनेंगे, कार्यों में सुधार होगा ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- संतान सुख, यात्रा लाभ, शत्रु हानि, अच्छे कार्यों में सुधार होगा, समय का ध्यान रखें।

धनु राशि :- व्यर्थ चिन्ता से मन परेशान रहेगा, अचानक लाभ के योग बनेंगे, उद्योग-व्यापार में लाभ।

मकर राशि :- सफलता प्राप्ति के योग बनेंगे, भय से मन उद्विघ्न रहेगा, मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि :- सुख, यात्रा भय, यश प्राप्ति, मित्रों का सहयोग मिलेगा, लाभप्रद स्थिति से हर्ष होगा।

मीन राशि :- इष्ट मित्रों सहायक रहेंगे, कार्यगति में अनुकूलता आयेगी, कार्य समय पर करें।

सर्दियों में साड़ी का स्टाइल बढ़ाएंगे ये वूलन ब्लाउज, खरीदें लेटेस्ट डिजाइन

सर्दी में साड़ी के साथ स्टाइलिश दिखने और ठंड से बचने के लिए ऊनी ब्लाउज एक बेहतरीन विकल्प हैं, जो एम्ब्रॉयडरी, टी-शर्ट, कार्डिगन और हाईनेक डिजाइन में उपलब्ध हैं। ये ब्लाउज आपकी साड़ियों को एक नया और आकर्षक लुक देते हैं, खासकर प्लेन या प्रिंटेड साड़ियों के साथ। वूलन ब्लाउज का चुनाव करके आप सर्दियों में भी साड़ी पहनने का आनंद ले सकती हैं और फैशन में बनी रह सकती हैं। हर भारतीय नारी पर साड़ी जरुर खिलती है। साड़ी पहनना हम सभी को काफी पसंद होती है। सर्दियों में साड़ी के साथ जब ब्लाउज पहनने के बात आती है, तो ऐसे में हम कॉटन या अन्य फैब्रिक के ब्लाउज को पहनना पसंद करते हैं। सर्दियों में लोग कम साड़ी पहनते है, जिसकी जगह सूट को ज्यादा स्टाइल करते हैं। अगर आप सर्दियों में वूलन ब्लाउज पहनेंगी तो आपका साड़ी लुक भी काफी अट्रैक्टिव

दिखेगा। आइए आपको ब्लाउज डिजाइंस के बारे में बताते हैं।

एम्ब्रॉइडरी वर्क वाला वूलन ब्लाउज : वूलन ब्लाउज भी आजकल एम्ब्राइडरी वाले आ रहे हैं। इस तरह के ब्लाउज में आपको स्लीव्स पर एम्ब्राइडरी वर्क मिलेगा। यह आपके लुक को भी परफेक्ट बनाएगा। इस तरह के ब्लाउज को आप सिंपल साड़ी के साथ वियर कर सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज आपको मार्केट मिल जाएंगे।

टी शर्ट डिजाइन वाला वूलन ब्लाउज : यदि आप साड़ी के साथ टी-शर्ट डिजाइन वाले वूलन ब्लाउज स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे। सर्दियों में अपनी प्लेन साड़ी को लुक देने के लिए वूलन ब्लाउज सबसे बेस्ट ऑप्शन है। यह ब्लाउज आप प्रिंटेड साड़ी के साथ वियर कर सकते हैं और सुंदर लुक पा सकते हैं।

कार्डिगन डिजाइन वाला वूलन ब्लाउज : खूबसूरत दिखने के लिए कार्डिगन डिजाइन वाले ऊनी ब्लाउज पहन सकती हैं। ऐसे ब्लाउज आपको प्लेन से लेकर एम्ब्रॉयडरी तक कई तरह के डिजाइनों में मिल जाएंगे। आप अपनी साड़ी के पैटर्न और स्टाइल के अनुसार इन्हें चुनकर कैरी कर सकती हैं। बाजार में इनके कई विकल्प आसानी से मिल जाते हैं।

हाईनेक डिजाइन वूलन ब्लाउज

सर्दियों में सुंदर और फैशन के लिए हाईनेक डिजाइन वाले वूलन ब्लाउज को खरीद सकते हैं। इस तरह के ब्लाउज हर एक साड़ी डिजाइंस पर अच्छे लगते हैं। आपको मार्केट में इस तरह के ब्लाउज आसानी से मिल जाएंगे।

ट्रेंड अलर्ट! विंटर सीजन में कश्मीरी कुर्तियां बनीं पहली पसंद, कॉलेज से ऑफिस तक छाएंगे ये नए स्टाइल्स

अगर आप भी इस विंटर सीजन अपने लिए कुछ यूनिक स्टाइल करना चाहती है, जिससे कि आपका लुक स्टाइलिश और सबसे जुदा नजर आए। तो आज हम आपको कश्मीरी कुर्तियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको कैरी करके आप अपने लुक को गॉर्जियस बना सकती हैं। इस तरह की कुर्तियां कॉलेज से लेकर ऑफिस और फंक्शन तक में पहनकर जा सकती हैं। यह पहनने में काफी आरामदायक होती हैं और इनको कैरी करके आप अपनी फ्रेंड्स को भी इम्प्रेस कर सकती हैं। सर्दियों में आप इन कश्मीरी कुर्तियों को पहनकर आप खुद को ठंड से बचाने के साथ अपने लुक को भी स्टाइलिश बना सकती हैं। इन कुर्तियों के साथ आप क्लासी हेयर स्टाइल, लॉन्ग इयररिंग्स और मिनिमल मेकअप के साथ खुद को ग्लैमरस टच दे सकती हैं। वहीं इन कुर्तियों के साथ आप हाई हील्स और जूती भी कैरी कर सकती हैं। तो आइए देखते हैं कश्मीरी कुर्तियों के लेटेस्ट डिजाइंस के बारे में...

ग्रीन कश्मीरी कुर्ती : ग्रीन कलर की कश्मीरी कुर्ती पहनने में काफी ज्यादा अच्छी लगती है। इस कुर्ती के साथ आप व्हाइट हाईनेक कैरी करके आप खुद को गॉर्जियस और स्टाइलिश लुक पा सकती हैं। इस लुक में परफेक्ट फैशन स्टेटमेंट देने के साथ यह आपको सर्दी से भी बचाएगा। इस कुर्ती के फ्रंट में पिंक का चिकनकारी वर्क हो रहा है। वहीं कुर्ती के बॉर्डर पर एम्ब्रॉयडरी हो रही है। इस कश्मीरी कुर्ती के संग सिल्वर कुंदन इयररिंग्स पहन सकती हैं और पोनी हेयर स्टाइल रखें। आपको इस तरह की कुर्ती 800 से 1200 रुपए तक ऑनलाइन खरीद सकती हैं।

व्हाइट कश्मीरी कुर्ती : अगर आपको व्हाइट आउटफिट पहनना पसंद है, तो इस तरह की व्हाइट कश्मीरी कुर्ती बेस्ट ऑप्शन होगा। हर मौके पर व्हाइट कलर काफी रॉयल लुक देता है। इस कुर्ती की मिड लेंथ है और इस पर ग्रीन और पिंक कलर के थ्रेड का काफी वर्क किया गया है। वहीं कुर्ती की बाजू में लूज फिटिंग है। इस कुर्ती का ओवरऑल लुक बेस्ट है और आप रेड या व्हाइट प्लाजो के संग पेयर कर सकती हैं। ऑक्सीडाइज झुमकी बेस्ट ऑप्शन है और साथ ही बालों को खुला रखें।

मस्टर्ड येलो कश्मीरी कुर्ती : सर्दियों में लुक को क्लासी टच देने के लिए आप मस्टर्ड येलो कलर की कश्मीरी कुर्ती स्टाइल कर सकती हैं। इस कुर्ती को आप सर्दियों में कैरी करके ऑफिस जा सकती हैं। इस कुर्ती की फिटिंग लूज है और दोनों साइड पॉकेट लगी है। इस कश्मीरी कुर्ती के यॉक पर फ्लोरल थ्रेड वर्क हो रहा है। इन कुर्तियों का फैब्रिक वुलन होता है और इन पर अधिकतर थ्रेड वर्क ही किया जाता है। कश्मीरी कुर्ती के साथ आप मैचिंग बीड्स झुमकी पहनें और पैरों में जूती पहनें। इससे आपको परफेक्ट लगेगा।

ठंड में बढ़ते डैंड्रफ ने कर दिया है परेशान? ये नेचुरल हैक्स आएंगे आपके बेहद काम

ठंड का मौसम हम सभी को अच्छा लगता है। कम्बल में कॉफी और कोजी वाइब्स की बात ही कुछ और है। लेकिन ये मौसम मन को जितना भाता है, उतना ही ज्यादा यह हमारी ब्यूटी पर कहर बरपाता है। इस मौसम में डैंड्रफ की समस्या काफी बढ़ जाती है। वो छोटे-छोटे सफेद फ्लेक्स जो हर डार्क आउटफिट पर बर्फबारी जैसे लगते हैं, देखने में काफी गंदे लगते हैं। इतना ही नहीं, स्कैल्प पर होने वाली लगातार खुजली भी मूड को खराब कर देती है। सर्दी के मौसम में ठंडी हवा स्कैल्प की नेचुरल नमी खींचती है और ऐसे में रूखेपन की वजह से फ्लेक्स बनते हैं। इतना ही नहीं, बालों को धोने के लिए गरम पानी का इस्तेमाल करना या फिर कम पानी पीना कुछ ऐसी चीजें हैं, जो स्थिति को बद से बदतर बना देती हैं। हो सकता है कि आप भी इन दिनों डैंड्रफ की समस्या को झेल रहे हों और इनसे निजात पाने के लिए तरह-तरह के हेयर केयर प्रोडक्ट्स में पैसे खर्च कर रहे हों। हालांकि, आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। आप बेहद ही आसान हैक्स की मदद से इस डैंड्रफ से छुटकारा पा सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

नारियल तेल और नींबू का करें इस्तेमाल : सर्दी के दिनों में डैंड्रफ से निजात पाने के लिए नारियल तेल के साथ नींबू का इस्तेमाल करना अच्छा विचार है। जहां नारियल तेल रूखापन दूर करके स्कैल्प को पोषण देता है। वहीं, नींबू में हल्के एसिड होते हैं जो डैंड्रफ पैदा करने वाले फंगस को कंट्रोल करते हैं। इसे इस्तेमाल करने के लिए आप 2 टेबलस्पून गर्म नारियल तेल लें और उसमें 1 छोटा चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसे स्कैल्प पर 20-30 मिनट लगाकर छोड़ दें। आखिरी में, बालों को माइल्ड शैम्पू से वॉश कर लें।

एलोवेरा जेल का करें इस्तेमाल : एलोवेरा जेल स्किन और बालों दोनों के लिए बेहद फायदेमंद माना गया है। यह ना केवल डैंड्रफ को कम करने में मदद करता है, बल्कि जलन और खुजली को तुरंत शांत करता है। दरअसल, इसमें नेचुरल एंजाइम होते हैं जो डेड स्किन को हटाकर हेल्दी स्कैल्प बनाते हैं। आप बस एलोवेरा की पत्ती तोड़कर उसका फ्रेश जेल निकालें और उसे अपनी स्कैल्प पर लगाकर करीबन 20 मिनट के लिए छोड़ दें। आखिरी में, बालों को वॉश कर लें।

टी ट्री ऑयल का करें इस्तेमाल : अगर आप सर्दियों में डैंड्रफ से परेशान हो चुके हैं तो ऐसे में टी ट्री ऑयल आपके बेहद काम आएगा। यह एक ऐसे एक पावरफुल एंटी-फंगल ऑयल है। इस तेल की खास बात यह है कि यह डैंड्रफ की मुख्य वजह मसलन यीस्ट या फंगल ओवरग्रोथ को कंट्रोल करता है। बस आप अपने शैम्पू में 2-3 ड्रॉप्स टी ट्री ऑयल मिलाकर इस्तेमाल करें। आपको पहली बार में ही काफी फर्क महसूस होगा।

विभागीय जांच में अपराध प्रमाणित, फिर भी सहायक आयुक्त की रहस्यमयी चुप्पी

शैक्षणिक घोटाला : एक ही छात्रा की दो अंकसूचियां, कार्रवाई शून्य

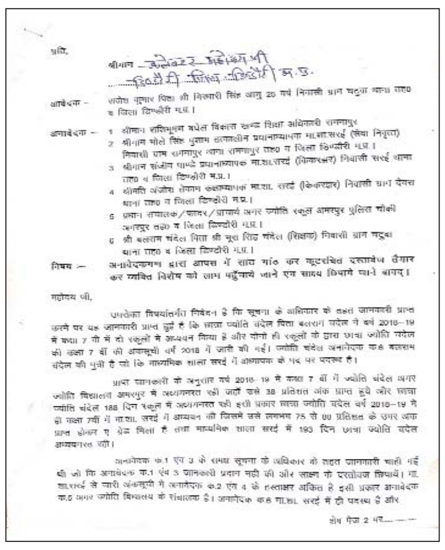

डिंडोरी। जिले की शिक्षा व्यवस्था इन दिनों एक सनसनीखेज घोटाले को लेकर सवालों के घेरे में है। शैक्षणिक सत्र 2018-19 में कक्षा सातवीं की एक ही छात्रा के नाम पर दो अलगझअलग विद्यालयों से दो अलगझअलग अंकसूचियाँ जारी किए जाने का मामला सामने आया है। हैरानी की बात यह है कि विभागीय जांच में पूरा फजीर्वाड़ा अपराध की श्रेणी में प्रमाणित होने के बावजूद अब तक किसी भी आरोपी के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है।

कैसे खुला फजीर्वाड़े का पदार्फाश

मामला माध्यमिक शाला सरई के एक शिक्षक की पुत्री कुमारी ज्योति चंदेल से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि छात्रा ने वास्तविक रूप से सत्र 2018-19 में अमर ज्योति विद्यालय, अमरपुर से कक्षा सातवीं की परीक्षा दी थी। स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार उसका परीणाम 38 प्रतिशत (ग्रेड-ऊ) तथा उपस्थिति 183 दिवस दर्ज है। इसी बीच माध्यमिक शाला सरई से एक दूसरी अंकसूची तैयार करवाई गई, जिसमें छात्रा को अ+ ग्रेड के साथ उत्तीर्ण दशार्या गया और उसकी उपस्थिति 193 दिवस बताई गई। जबकि जांच में यह भी स्पष्ट हो गया कि छात्रा उस वर्ष माध्यमिक शाला सरई में दर्ज ही नहीं थी।

जांच में अपराध सिद्ध

विभाग द्वारा गठित जांच दल ने पुष्टि की कि माध्यमिक शाला सरई के स्टाफ द्वारा छात्रा को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए। इस संबंध में जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) ने अपने प्रतिवेदन में साफ लिखा– एक ही सत्र में दो विद्यालयों में अध्ययन कर परीक्षा देकर परिणाम प्राप्त करना नियम विरुद्ध है एवं अपराध की श्रेणी में आता है।

कार्रवाई के नाम पर चुप्पी

जांच प्रतिवेदन के आधार पर मामला सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, डिंडोरी झ श्री संतोष शुक्ला को कार्रवाई हेतु भेजा गया, लेकिन आरोप है कि अब तक किसी भी दोषी के खिलाफ न कोई एफआईआर दर्ज हुई और न ही विभागीय दंडात्मक कार्रवाई। आवेदकों का कहना है कि सहायक आयुक्त द्वारा मामले को दबाकर रखना सीधे तौर पर मिलीभगत और संरक्षण की ओर इशारा करता है, जिससे शिक्षा विभाग में फैले भ्रष्टाचार पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मुख्य आरोपी

मौले सिंह पुशाम -तत्कालीन प्रधानाध्यापक, माध्यमिक शाला सरई, अंजोरा तेकाम - कक्षा अध्यापक, बलराम सिंह चंदेल - माध्यमिक शिक्षक एवं छात्रा के पिता

आरोप- एक ही सत्र में दोहरी अंकसूची तैयार करना, फर्जी उपस्थिति दर्ज करना- सरकारी नियमों का उल्लंघन कर शैक्षणिक धोखाधड़ी

मुख्य मांग- पूरे प्रकरण को आपराधिक घोषित करते हुए तीनों आरोपियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए, ताकि शिक्षा व्यवस्था की साख बनी रहे और भविष्य में कोई इस तरह का फजीर्वाड़ा करने का साहस न कर सके।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है

जब अपराध जांच में प्रमाणित हो चुका है, तब न्याय कब मिलेगा?

या फिर यह घोटाला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा?

बराह मे मां की बगिया योजना के तहत किया गया प्लांटेशन

दैनिक रेवांचल टाइम्स जवा । रीवा जिले के जवा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बराह में मां की बगिया योजना के तहत मनरेगा अधिकारी नागेंद्र सिंह और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जवा ब्लाक प्रबंधक किरण सिंह के उपस्थिति में स्वसहायता समूह की हितग्राही कविता देवी के यंहा प्लांटेशन कर कई फलदार पौधे लगाए गये और हितग्राही को मनरेगा अधिकारी द्वारा उनके रखरखाव की जानकारी दी गयी। इसके साथ ही मनरेगा अधीन बने खेत तालाब मे मछली पालन कराया तथा हितग्राही को उनके सुरक्षा के बचाव व उनके खाने पीने की विस्तृत जानकारी दी गयी। इस सम्बंध में मनरेगा अधिकारी नागेंद्र सिंह ने बताया कि मनरेगा द्वारा मां की बगिया योजना किसानों के लिए हितकर योजना है इस योजना के तहत शासन द्वारा राशि दी जाती है कि किसान फलदार पौधे लगाए और उसकी सुरक्षा कर उसके फल का उपयोग करे और बाजार में बेंच कर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है उन्होंने कहा कि हितग्राही मनरेगा योजना का लाभ लेकर अपनी कमाई का जरिया बना सकते है। वही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ब्लाक प्रबंधक किरण ने बताया कि खेत तालाब योजना से मछली पालन कर अच्छी कमाई की जा सकती है इस तरह से किसानों के लिए कई हितकर योजनाएं है जिससे किसान आत्मनिर्भर हो सकते है।

प्रतिष्ठित शोधार्थी इन्द्रलाल पटेल ने छात्र-छात्राओं के कैरियर का विस्तार से किया मार्गदर्शन

उत्कृष्ट संस्थानों में पढ़ने हेतु उत्कृष्ट विद्यालय में कैरियर मार्गदर्शन

दैनिक रेवांचल टाइम्स सीधी। जिले के प्रतिष्ठित शास.उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्र. 1 में प्राचार्य एस. एन. त्रिपाठी ने मध्य प्रदेश शासन के दिशा निर्देशों के अनुसार विद्यालयों में कैरियर मार्गदर्शन शिक्षा के क्षेत्र में करवाया जा रहा है। इसी क्रम में विद्यालय के प्राचार्य ने मंगलवार को एक प्रतिष्ठित शोधार्थी इन्द्रलाल पटेल को विद्यालय में कैरियर मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित कर छात्रों का लाभान्वित करवाया गया। कैरियर मार्गदर्शन में श्री पटेल के पूर्व में जेपी मिश्रा पूर्व प्राचार्य, आरपी तिवारी पूर्व प्राचार्य, डॉ. लहरी सिंह पूर्व विभाग अध्यक्ष संजय गांधी कॉलेज सीधी, पूर्व डीइओ सुरेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, रामलाल शर्मा प्राध्यापक, राजकरण शुक्ला सहायक संचालक ने भी छात्र-छात्राओं को विस्तार से मार्गदर्शन किया है। वहीं मंगलवार को मुख्य वक्ता के रूप में शोधार्थी इंद्रलाल पटेल जो काशी हिंदू विश्वविद्यालय और इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज के पूर्व छात्र ने आगे की पढ़ाई के लिए प्रवेश प्रक्रिया एवं कैरियर से संबंधित विस्तार से जानकारी छात्र छात्राओं को दी है। इस कार्यशाला में विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों जैसे उमंग, उज्जवल, ओजस यूथ क्लब, इको क्लब, एक भारत श्रेष्ठ भारत आदि सभी कार्यक्रमों को समाहित किया गया है। सभी प्रभारी शिक्षक इस समिति के सदस्य भी है। सभी विद्यार्थियों में कैरियर मार्गदर्शन के माध्यम से नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक व आध्यात्मिक शिक्षा प्राप्त हो तथा उनके चरित्र निर्माण, अनुशासन, शिक्षा संपन्न हो कार्यक्रम होता है। कार्यक्रम की टीम में परीक्षा प्रभारी विजय सिंह,अरविंद गौतम, डॉ. विनोद सिंह, मोहम्मद अली, डॉ. सुशील सिंह, सुश्री सीमा द्विवेदी, डॉ. सुधाकर धर द्विवेदी, दिनेश कुमार गुप्ता, हंसराज गिरि, डॉ. लक्ष्मी सितानी, विजय सिंह एवं समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। धन्यवाद एवं आभार विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक आरपी पाठक द्वारा किया गया।

कलेक्टर ने आर्थिक सहायता राशि का चेक सौंपा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। कलेक्टर ऊषा परमार ने सोमवार को कलेक्टर कक्ष में मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजनांतर्गत दो हितग्राहियों को कुल 8 लाख 8 हजार रूपए आर्थिक सहायता राशि के भुगतान का चेक प्रदान किया। गुनौर तहसील के भटनवारा निवासी स्व. सीताराम पटेल की पत्नी मुलायम बाई तथा ग्राम पटनाकलां निवासी स्व. रामेश्वर उर्फ रामेश्वरी चंदेल की पत्नी हक्की बाई को 4 लाख 4 हजार रूपए राशि का पृथक-पृथक चेक सौंपा गया। इस मौके पर संयुक्त कलेक्टर नरेन्द्र सिंह धुर्वे भी उपस्थित रहे।

सीईओ और बीआरसी में स्कूलों में पहुंचकर मध्यान्ह भोजन की ली जानकारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। शालाओं में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को निर्धारित मेन्यू के अनुसार स्वच्छता के साथ, गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराए जाने की सतत रूप से निगरानी करने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने समय-समय पर समीक्षा बैठकों में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए हैं। इसी अनुक्रम में जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री युजवेंद्र कोरी और बीआरसी ने संयुक्त रूप से शासकीय प्राथमिक शाला मुरवारी एवं देवरी पहुंच कर मध्यान्ह भोजन की जानकारी ली। इस दौरान जनपद सदस्य दीपू बैरागी ने छात्रों के हित में उपयोगी सुझाव और सहयोग दिया।

आधुनिक बौद्ध जगत के अश्वघोष महाकवि विनीत बिक्रम सोनवर्षा बौद्ध की 100वीं जयंती पर हुआ भव्य आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। आधुनिक बौद्ध जगत के अश्वघोष के रूप में विख्यात महाकवि विनीत बिक्रम सोनवर्षा बौद्ध की 100वीं जन्म-शताब्दी के उपलक्ष्य में एक विशाल एवं भव्य समारोह का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, सम्मान और गौरवमयी भावनाओं के साथ किया किया गया। यह आयोजन बौद्ध धम्म, साहित्य, सामाजिक चेतना, मानवद्दमूल्यों तथा जागृति के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करने हेतु आयोजित किया गया है।

महाकवि विनीत बिक्रम सोनवर्षा बौद्ध की जन्मस्थली ग्राम सोनवर्षा, दीक्षाद्दभूमि अवेर तथा कर्मस्थली चन्द्रोदय भारत भवन बुद्ध विहार पड़रा रीवा में उनके धम्म-साधना, साहित्य सृजन और सामाजिक परिवर्तन की चेतना के प्रमुख केंद्र रहे हैं। इस पावन अवसर पर चौत भूमि पर अवस्थित सम्राट अशोक महान कालीन प्राचीन प्रतिलिपिक शिलालेख के समीप स्थित देउरकोठार का बौद्ध स्तूप, जो बौद्ध इतिहास और धरोहर का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है मुख्य समारोह स्थल के रूप में चयनित किया गया था, जहाँ दिन भर विविध कार्यक्रम हुयें। जन्म-शताब्दी समारोह के अंतर्गत धम्म कारवाँ का शुभारंभ प्रातः 9 बजे रीवा शहर से शुरू हुआ जो सोनवर्षा होते हुए अवेर, वहाँ से शंकरलाल मास्टर, बुद्ध बिहार सेमरी, चन्द्रोदय बुद्ध बिहार पड़रा, कोठी कम्पाउण्ड रीवा तथा अंततः देउर कोठार बौद्ध स्तूप तक पहुँचकर मुख्य कार्यक्रम में परिवर्तित हुई। इस ऐतिहासिक धम्म-यात्रा का उद्देश्य था कि बौद्ध धम्म के सिद्धांतों मैत्री, करुणा, प्रज्ञा और समानता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाया जा सके तथा महाकवि विनीत बिक्रम बौद्ध की शिक्षाओं को पुनः जनमानस में स्थापित हो सके। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि, प्रार्थना, धम्म-देशना, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए गयें, जिनमें बौद्ध जगत के विद्वान, धम्म गुरु, शोधकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित रहें। इस समारोह में तथागत गौतम बुद्ध, बोधिसत्व डॉ. भीमराव अम्बेडकर एवं महामानव महाकवि विनीत बिक्रम बौद्ध के अनुयायी अपने स्नेह, श्रद्धा और प्रेरणा के साथ सहभागी रहें। इस अवसर पर मास्टर बुद्धसेन बौद्ध, मास्टर चन्द्रिका बौद्ध, श्रद्धेय डॉ. यू.आर. बौद्ध, शेषमणि बौद्ध, के.पी. बौद्ध (भोपाल), कैलाश बौद्ध, मोले सिंह बौद्ध, बुद्धसेन बौद्ध, माड़व एड. मनोज, सिद्धार्थ बौद्ध, एड. अभिषेक बौद्ध, विवेक बौद्ध, सीताशरण बौद्ध, राजेश बौद्ध, विश्वनाथ चोटीवाला, श्रवण कुमार बौद्ध, बद्रीनाथ प्रसाद बौद्ध, रघुनाथ बौद्ध, श्रद्धेय डॉ. हीरा लाल बौद्ध, डॉ. विनोद कुमार बौद्ध, अशोक कुमार बौद्ध, गुरूचरण बौद्ध, सुग्रीव सिंह बौद्ध, अर्जुन सिंह बौद्ध, जीनत कुमार बौद्ध, मनोज भारतीय बौद्ध तथा रोहित बौद्ध (अवेर) सहित अनेक सम्मानित बौद्ध अनुयायियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। रामभाऊ सुन्दरी मेमोरियल बुद्ध चेतना परिषद, रीवा (मध्य प्रदेश) द्वारा आयोजित इस पावन समारोह में सभी बौद्ध अनुयायियों, साधकों, सामाजिक कार्यकताओं, शोधार्थियों एवं श्रद्धालुओं से विनम्र निवेदन किये है कि वे इस अवसर पर सादर उपस्थित होकर महा कवि विनीत बिक्रम सोनवर्षा बौद्ध को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करें और बौद्ध धम्म की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान किया गया।

जनपद शिक्षा केंद्र पवई में खुला आधार सेवा केंद्र, अब एक ही स्थान पर सभी सेवाएं

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। जनपद शिक्षा केंद्र पवई परिसर में नए आधार सेवा केंद्र का विधिवत शुभारंभ सहायक संचालक सुश्री नम्रता जैन के कर कमलों से संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण पहल को साकार करने में डीपीसी अजय गुप्ता एवं सीएससी अधिकारी रामधनी पटेल के सतत प्रयासों की अहम भूमिका रही। नवस्थापित आधार सेवा केंद्र में आमजन एवं विद्यालय से जुड़े नागरिकों को नया आधार नामांकन, आधार अपडेट, डेमोग्राफिक संशोधन, बायोमैट्रिक सुधार तथा मोबाइल नंबर अपडेट जैसी सभी आवश्यक सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे विशेष रूप से विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों को बड़ी सुविधा मिलेगी और आधार संबंधित कार्यों के लिए दूर भटकने की आवश्यकता नहीं रहेगी। उद्घाटन अवसर पर बीआरसीसी राजेश पटेल, प्राचार्य संतोष गौतम, विकासखंड अकादमिक समन्वयक रघुवीर तिवारी, श्रीकांत पटेल, एमआईएस जीतेंद्र सिंह पेंड्रो, एमआरसी जय सिंह, लिपिक महराज सिंह, देवेन्द्र द्विवेदी, सुनीला सैनी, सीएसी कमला प्रसाद पटेल, एमटी सौरभ जैन, ऑपरेटर देवेन्द्र सिंह, आधार सुपरवाइजर प्रदीप पटेल सहित राघवेंद्र सिंह जादौन, अतुल पाण्डेय, परसू अहिरवार एवं सरोज वर्मा सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। आधार सेवा केंद्र के प्रारंभ से क्षेत्र में डिजिटल सेवाओं की पहुँच को मजबूती मिलेगी तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े हितग्राहियों को सरकार की आधार आधारित सुविधाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त हो सकेगा।

वृंदावनधाम परियोजना अटकने की कगार पर

अतिक्रमण न हटने से पंचायत को 1 किमी दूर टेकड़ी पर काम शुरू करना पड़ रहा — परियोजना की सुंदरता और मूल स्वरूप बिगड़ा

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - वृंदावन ग्राम पंचायत हथनापुर में प्रस्तावित वृंदावनधाम परियोजना को लेकर पंचायती परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। पंचायत का कहना है कि ग्राम पंचायत और गांव के आसपास की सरकारी भूमि पर भारी अतिक्रमण होने के कारण योजना के तहत बनाए जाने वाले गौशाला, डेरी, गार्डन और फल उद्यान जैसे काम बाधित हो गए हैं। राजस्व विभाग को बार-बार शिकायतें और आवेदन दिए जाने के बावजूद अब तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। पंचायत प्रतिनिधियों के अनुसार वृंदावनधाम बनना है, पर अतिक्रमण हटे बिना असली योजना साकार नहीं हो सकती।

मजबूरी में टेकड़ी पर निर्माण — परियोजना की सुंदरता पर असर

चूंकि पंचायत और गांव के आसपास की सरकारी भूमि कब्जे में पड़ी हुई है, इसलिए मजबूरी में पंचायत को मूल स्थान से लगभग 1 किलोमीटर दूर टेकड़ी क्षेत्र में काम शुरू करना पड़ रहा है। पंचायत का कहना है कि टेकड़ी क्षेत्र परियोजना के अनुसार उपयुक्त नहीं है, जिससे वृंदावनधाम परियोजना की प्राकृतिक सुंदरता, उपयोगिता और मूल उद्देश्य पर बुरा असर पड़ रहा है।

अतिक्रमण मुक्त हो जाए तो परियोजना बनेगी मॉडल

पंचायत के अनुसार यदि राजस्व विभाग कब्जे हटवाकर मूल भूमि पंचायत को वापस उपलब्ध करा दे, तो वृंदावनधाम परियोजना अपने असली स्वरूप में पूरी हो सकती है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा

ग्रामीणों के लिए स्थायी रोजगार

गौ सेवा, डेरी और उद्यानिकी का मॉडल

गार्डन व फल उद्यान से प्राकृतिक सौंदर्य

गांव का समग्र विकास

लेकिन राजस्व विभाग की निष्क्रियता के कारण परियोजना अधर में लटकी हुई है। ग्रामीणों व पंचायत ने चेतावनी दी है कि यदि अतिक्रमण मुक्त नहीं किया गया तो वे उच्च अधिकारियों से सामूहिक रूप से शिकायत करेंगे।

नगरपरिषद अध्यक्ष ने सीएमओ सिरमौर को दिया प्रशस्ति पत्र

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिरमौर। नगरीय निकायो की सीएम हेल्प लाइन की माह नवंबर की जारी ग्रेडिंग में ए ग्रेड प्राप्त करने पर आयुक्त नगरीय प्रसासन एवं विकास भोपाल संकेत भोंडवे द्वारा नगर परिषद सिरमौर को प्रेषित प्रशस्ति पत्र को नगर परिषद सिरमौर अध्यक्ष संदीप सिंह द्वारा पार्षदों, कर्मचारियों की उपस्थिति में मुख्य नगर पालिका अधिकारी संतोष कुमार सिंह को प्रशस्ति पत्र दिया । जनसंपर्क प्रभारी अश्वनी तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा संचालित अति महत्वाकांक्षी जन कल्याणकारी योजना सीएम हेल्प लाइन की माह नवंबर की ग्रेडिंग में प्रदेश की नगरीय निकायो में नप. सिरमौर को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल द्वारा संतोष कुमार सिंह मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद सिरमौर को प्रेषित प्रशस्ति पत्र अध्यक्ष नप. सिरमौर संदीप सिंह द्वारा दिया गया है। इस अवसर पर पूर्व उपाध्यक्ष बृजेश कुमार पांडेय, पार्षद अमरजीत दाहिया, पूर्व जिला उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह, अश्वनी तिवारी अध्यक्ष कर्मचारी संघ नप, सिरमौर गुड्डू खान,लक्ष्मण कुशवाहा एवं मनोज सोनी मौजूद रहे ।नगरपरिषद अध्यक्ष सिरमौर संदीप सिंह ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन मध्य प्रदेश शासन की अति महत्वाकांक्षी योजना है । शिकायतो की जांच उपरांत की गई कार्यवाही का परिणाम है, की आयुक्त भोपाल द्वारा सीएमओ को प्रशस्ति पत्र भेजा गया है । इसके लिए सीएमओ सहित पूरी टीम को बधाई ।

दैनिक रेवांचल टाइम्स — निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें

संवाददाता भी नियुक्त करना है

प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320

प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?

अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव

डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक

माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार सुबह 11 बजे से 2 बजे तक

दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज

- कील मुँहासे का सफलतम ईलाज
- चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
- तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
- सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
- काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
- एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
- चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा

रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

RSS के गणवेश जैसे पुतले पर भोपाल में हंगामा

गैस पीड़ितों की रैली से विवाद; बीजेपी की आपत्ति

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के गणवेश जैसे पुतले की रैली निकालने पर बुधवार को भोपाल में हंगामा हो गया। भोपाल गैस त्रासदी के मौके पर गैस पीड़ित संगठन रैली निकाल रहे थे। इसमें दो पुतले थे। इन्हीं में से एक पुतले को लेकर बीजेपी ने आपत्ति की। इसके बाद पुलिस ने पुतला जब्त करके रैली रोक दी। दूसरी ओर, गैस पीड़ितों का कहना था कि एक पुतला डाउ केमिकल-यूनियन कार्बाइड का, जबकि दूसरा उनके सहयोगियों का है। बुधवार को गैस त्रासदी की 41वीं बरसी है। दोपहर में गैस पीड़ितों से जुड़े 4 संगठनों ने भारत टॉकीज अंडरब्रिज से रैली निकालने का आह्वान किया। यह रैली जेपी नगर गैस मूर्ति तक पहुंचना थी, लेकिन इससे पहले ही विवाद की स्थिति बन गई।

नोंकझोंक भी हुई : गैस पीड़ित संगठन एक हाथ ठेले पर दो पुतले लेकर पहुंचे थे। जिसमें से एक पुतला आरएसएस के स्वयंसेवक की वेशभूषा में रखा गया था। इसे लेकर ही बीजेपी ने आपत्ति ली। मंडल अध्यक्ष आशीष सिंह कार्यकताओं के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि आरएसएस वालों का पुतला जलाओंगे? हिम्मत कैसे हुई? बीजेपी और गैस पीड़ित संगठन के पदाधिकारियों के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। इसके चलते पुलिस को बीच-बचाव करना पड़ा।

एसीपी राकेश सिंह बघेल ने कहा कि गैस पीड़ित एक्टिविस्ट रचना ढिंगरा हर साल रैली निकालती हैं। इस बार भी उन्होंने रैली निकाली। भारत टॉकीज के पास लोग इकट्ठा हुए। एक ठेले पर पुतला रखा था। जब पुतले से कपड़ा हटाया तो एक एंडरसन और दूसरा एक संगठन का पुतला था। इसे लेकर आपत्ति ली गई थी। इसके बाद पुतले को हटाया गया।

दूसरे पक्ष की बात सुनी, कार्रवाई करेंगे : एसीपी बघेल ने बताया, मामले में दूसरे पक्ष की बात सुनी गई है। तथ्यों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। यदि किसी संगठन को ठेस पहुंचाई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विवाद के बाद रैली स्थगित कर दी गई।

संगठन पदाधिकारी बोले-दूसरा पुतला सहयोगियों का : इस मामले में गैस पीड़ित संगठन के पदाधिकारी ढिंगरा ने बताया कि गैस त्रासदी में मृत हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए यह रैली निकाली जा रही थी। इसमें एक पुतला डाउ केमिकल और यूनियन कार्बाइड का था, जबकि दूसरा पुतला उनके सहयोगी का पुतला है। सवाल यह है कि सहयोगी कौन है? ये वे लोग हैं, जो पिछले 11 साल से डाउ केमिकल का धंधा बढ़ा रहे हैं। डाउ केमिकल दो साल से बता रहा है कि वह अमेरिका कंपनी है। भारत का कानून उस पर लागू नहीं होता है। क्या हम सहयोगियों पर बात नहीं करें? किसी एक इंसान का नहीं है। उन सभी सहयोगियों का है, जो मदद करते आ रहे हैं।

भोपाल में सरकारी छुट्टी, सर्वधर्म सभा भी हुई

भोपाल गैस त्रासदी की आज (3 दिसंबर) 41वीं बरसी है। इस दिन भोपाल शहर के लिए सरकारी छुट्टी है। शहर के सभी स्कूल और कॉलेज भी बंद हैं। दूसरी ओर, बैरसिया समेत ग्रामीण क्षेत्र में छुट्टी नहीं है। यहां सरकारी दफ्तर, स्कूल और कॉलेज खुले हुए हैं।

बरकतउल्ला भवन (सेंट्रल लायब्रेरी) में सुबह साढ़े 10 बजे से सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी हुई। इसमें गैस राहत मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, कृष्णा गौर, विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह समेत सभी समाज के धर्मगुरु और शहर के प्रबुद्धजन शामिल रहे। सभा में भोपाल गैस त्रासदी में दिवंगत गैस मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विभिन्न धर्मगुरुओं ने धर्मग्रंथों का पाठ भी किया।

बैतूल में दिव्यांग बच्चों को लगेंगे आर्टिफिशियल हाथ

बैतूल। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत बैतूल जिले में ऐसे बच्चों की पहचान की जा रही है जिनके कोहनी के नीचे हाथ नहीं हैं। इन बच्चों को आर्टिफिशियल हाथ लगाए जाएंगे। इस पहल के लिए स्वास्थ्य विभाग ने दिल्ली के एक फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रोग्राम मैनेजर योगेंद्र कुमार ने बताया कि जिले में अब तक 47 बच्चों की पहचान की जा चुकी है। चिन्हांकन का यह कार्य अगले 4 दिनों तक जारी रहेगा। इस कार्यक्रम में 15 वर्ष से अधिक उम्र के वे बच्चे शामिल होंगे, जिनके हाथ जन्मजात रूप से या किसी दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए हैं। उन्हें निःशुल्क आर्टिफिशियल हाथ प्रदान किए जाएंगे। इस पहल के तहत गांवों में सर्वे किया जा रहा है। विकासखंड स्तर पर बीएमओ और डीपीएम की टीमें पात्र बच्चों की सूची तैयार कर रही हैं।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में कबीर यात्रा फिर विवादों में

4-5 हजार लोगों के प्रवेश की अनुमति, विभाग ने नहीं माने एनजीटी के आदेश; अवमानना याचिका पर सुनवाई आज

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में स्थित कबीर गुफा में हर साल होने वाली 'कबीर यात्रा' एक बार फिर विवादों में है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (ठङ्कळ) द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बाद भी वन विभाग ने यात्रा के लिए नियम और गाइडलाइन तैयार नहीं की और 4 से 5 हजार लोगों को वाहनों से कोर एरिया में प्रवेश की अनुमति दे दी। इसके चलते यात्रा से पहले ही हजारों श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा शुरू हो गया है। यात्रा 4 दिसंबर को होना है।

बिना नियमों के अनुमति, टाइगर रिजर्व का रहवास खतरे में : फील्ड डायरेक्टर ने वाहनों की सीमित क्षमता के चलते यात्रियों को पैदल यात्रा की अनुमति भी जारी कर दी है, जिसके कारण जंगल के कोर एरिया में बाघ, तेंदुए और अन्य वन्यजीवों का रहवास प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। वन विशेषज्ञों का कहना है कि कोर एरिया में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का प्रवेश न केवल वाइल्ड लाइफ एक्ट का उल्लंघन है, बल्कि मानवझ्रवन्यजीव संघर्ष की आशंका भी बढ़ा देता है।

एनजीटी के आदेशों का सीधा उल्लंघन : एनजीटी ने 12 अगस्त 2025 को वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे की याचिका पर आदेश दिया था कि तीन महीने के भीतर कबीर यात्रा के लिए नियम व गाइडलाइन बनाई जाए। यात्रा में शामिल होने वालों के लिए अनुमति ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से हो और आदिवासी क्षेत्र होने के चलते त्रि-स्तरीय समिति से अनुशंसा ली जाए, लेकिन इनमें से किसी भी बिंदु का पालन नहीं हुआ।

पीसीसीएफ ने दी अनुमति

चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन शुभरंजन सेन ने 25 नवंबर 2025 को 4झ5 हजार लोगों को वाहनों से यात्रा की अनुमति जारी कर दी, जबकि त्रि-स्तरीय समिति की अनुशंसा भी नहीं ली गई। वहीं फील्ड डायरेक्टर अनुपम सहाय ने भी अंतिम समय में 4 दिसंबर के लिए पैदल यात्रा की अनुमति मांगी, जिसे एक्टिविस्ट आदेशों का सीधा उल्लंघन बता रहे हैं।

बैरसिया विस में SIR डिजिटाइजेशन का काम पूरा

2.53 लाख वोटर्स के फार्म अपलोड किए; दूसरे नंबर पर हुजूर विस

भोपाल। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में भोपाल की 7 में से बैरसिया विधानसभा में बुधवार दोपहर में डिजिटाइजेशन का काम 100% हो गया। 1 महीने के अंदर यहां कुल 2 लाख 53 हजार 922 वोटर्स के फार्म डिजिटाइज किए गए। दूसरे नंबर पर हुजूर और तीसरे पर भोपाल उत्तर विस है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि बैरसिया विधानसभा में समय से पहले डिजिटाइजेशन का काम कर लिया गया। एसडीएम आशुतोष शर्मा, तहसीलदार समेत पूरी टीम इस काम में जुटी थी। वहीं, हुजूर में 88 प्रतिशत और भोपाल उत्तर में 85 प्रतिशत डिजिटाइजेशन हो चुका है।

अगले 2 दिन में बाकी बची 6 विधानसभा में भी शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा कर लेंगे।

15 दिन में 7 से बढ़कर 80% पहुंचे : भोपाल की सात विधानसभा सीटों में 21 लाख 25 हजार 908 वोटर हैं। इनमें से 21.10 लाख फॉर्म बांटे गए। 19 नवंबर तक की स्थिति में फॉर्म की वापसी का प्रतिशत 7.37 ही था। वहीं, 1 दिसंबर को यह 66.5% पहुंच गया। पिछले 3 दिन से जिला प्रशासन खासकर तौर पर अलर्ट हुआ। इसके बाद आंकड़े में बढ़ोतरी हुई और यह 80 प्रतिशत तक पहुंच गया। नो मेपिंग का आंकड़ा 4 प्रतिशत है। इसे मिला दिया जाए तो यह 84 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

आंकड़ों के अनुसार, बैरसिया में 100%, भोपाल उत्तर में 85%, नरेला में 73%, भोपाल दक्षिण-पश्चिम में 69%, भोपाल मध्य में 72.5%, गोविंदपुरा में 71.2% और हुजूर में 88% डिजिटलाइजेशन का काम हुआ है।

समझाईश, फटकार, कार्रवाई और सम्मान भी : एसआईआर के काम में लापरवाही बरतने पर एक दर्जन से ज्यादा बीएलओ पर कार्रवाई भी हो चुकी है। वहीं, अब काम पूरा करने वाले बीएलओ को सम्मानित भी किया जा रहा है। कलेक्टर सिंह ने हाल ही में कलेक्टोरेट में ऐसे बीएलओ और सुपरवाइजरों का सम्मान किया था। बैरसिया एसडीएम शर्मा ने भी शत-प्रतिशत काम होने पर बीएलओ, सुपरवाइजर को सम्मानित किया।

छिंदवाड़ा पहुंचे कमलनाथ, सरकार पर बोला हमलाःकहा-

कृषि की हालत मप्र का दुर्भाग्य; यूरिया के लिए परेशान हो रहे किसान

छिंदवाड़ा। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ बुधवार को अपने एक दिवसीय दौरे पर छिंदवाड़ा पहुंचे। एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने प्रदेश के कृषि हालात पर सरकार को जमकर घेरा। मक्का के दाम और यूरिया की किल्लत पर उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज कृषि क्षेत्र की जो हालत है, वह मध्य प्रदेश का दुर्भाग्य है। कमलनाथ ने कहा, "हमारी 70% अर्थव्यवस्था कृषि एवं उससे जुड़े व्यवसायों पर आधारित है। यह जरूरी नहीं कि 70% लोग किसान ही हों- कोई ट्रैक्टर चलाता है, कोई मरम्मत करता है, कोई परिवहन करता है। कृषि से कई गतिविधियां जुड़ी हैं।"

'यूरिया के लिए भटकना सरकार की नाकामी' : पूर्व सीएम ने कहा कि प्रदेश की आर्थिक रीढ़ माने जाने वाले किसानों को राहत देने के बजाय सरकार उनकी समस्याओं को बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, "आज किसान यूरिया के लिए परेशान घूम रहा है, यह सरकार की नाकामी है।" उन्होंने मक्का के समर्थन मूल्य और खरीदी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए।

शाम को कांग्रेस कमेटी की बैठक : मीडिया से चर्चा के बाद कमलनाथ विभिन्न कार्यक्रमों के लिए रवाना हो गए। शाम को वे जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल होंगे, जहां संगठन की आगामी गतिविधियों और रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

नकुलनाथ ने संभाला मोर्चा : गौरतलब है कि एक तरफ कमलनाथ ने एयरपोर्ट पर सरकार को घेरा, वहीं दूसरी तरफ उनके बेटे और पूर्व सांसद नकुलनाथ चौरई में 'किसान बचाओ आंदोलन' में शामिल होकर किसानों के बीच पहुंचे।

मासूम से रेप के बाद 4 दिन भोपाल में रहा सलमान

मिसरोद, गौतम नगर, गांधी नगर में खुलेआम घूमा; संरक्षण देने वाले तीन लोग गिरफ्तार

भोपाल। रायसेन के गौहरगंज में 6 साल की मासूम से रेप के आरोपी सलमान हमीदिया अस्पताल में भर्ती है। उसकी हालत में सुधार हो रहा है। वहीं, रायसेन पुलिस ने सलमान को फरारी में संरक्षण देने के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तीनों को सुरक्षा कारणों से भोपाल जेल में रखा गया है। पूछताछ में सलमान ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। घटना के बाद वह चार दिन तक भोपाल में रहा। इस दौरान उसने मिसरोद, गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित डीआईजी बंगला, टीला जमालपुरा के पुतलीघर और गांधी नगर में फरारी काटी। वह खुलेआम पीठे पर खड़े होकर मजदूरी तलाशता रहा। चोरी का मोबाइल बेचकर खाना खाया। उसके फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे। बुधवार को रायसेन पुलिस ने पुष्टि की कि सलमान भोपाल में रहकर खुलेआम फरारी काटता रहा।

भोपाल में मजदूरी की, चोरी का मोबाइल बेचा : जानकारी के मुताबिक, 21 नवंबर को आरोपी सलमान ने 6 साल की बच्ची से रेप किया था। वह उसे अधमरा ही जंगल में छोड़कर फरार हो गया था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि दुष्कर्म के बाद उसने हाईवे की एक दुकान से सिगरेट ली थी, जहां पीड़िता के पिता ने उसे पकड़ने की कोशिश की। लेकिन वह भाग निकला और जंगल में छिप गया।

जंगल में बनी एक झोपड़ी से उसने दो मोबाइल फोन चुराए और अपनी शर्ट बदली। इसके बाद वह हाईवे के रास्ते ट्रैक्टर से लिफ्ट लेकर गौहरगंज कोर्ट के सामने उतरा। वहां से जंगल के रास्ते हाईवे पर पहुंचा और बस में बैठकर नादरा बस स्टैंड गया। 22 नवंबर को आरोपी बस से हबीबगंज नाका पहुंचा और एक मोबाइल आरआरएल ब्रिज के नीचे नाले में फेंक दिया। इसके बाद डीआईजी बंगला होते हुए करोंद मंडी पहुंचकर एक सुनसान पुरानी बिल्डिंग में सो गया।

23 नवंबर को काम की तलाश में उसकी मुलाकात ठेकेदार जैद खान और मकान मालिक इंसाफ हुसैन से हुई। इन दोनों ने उसे संरक्षण दिया और निमार्णाधीन मकान में तीन दिन तक मजदूरी दी, जहां वह पुलिस से बचा रहा। 26 नवंबर को आरोपी ने अपने पास मौजूद दूसरा चोरी का मोबाइल तोड़कर उसके पुर्जे नारियलखेड़ा में शहजाद कबाड़ी को बेचे। इसके बाद उसने शराब पी और फुटपाथ पर सो गया।

27 नवंबर की रात करीब 11:15 बजे सेक्टर 11 में कमरा तलाशते हुए सलमान को कुछ युवकों ने देखा। उसे पुलिस के सुपुर्द करने वाले रिजवान ने बताया कि जब सलमान को पकड़ा गया, उस समय मैं वहां मौजूद नहीं था, लेकिन संदेह होने पर दोस्तों ने मुझे सूचना दी। मैं तुरंत मौके पर पहुंचा। इसके बाद खजूरी थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी राहुल गुरु को सलमान की तस्वीर वॉट्सऐप पर भेज दी। उन्होंने रायसेन पुलिस से उसकी तस्दीक कराई। करीब आधे घंटे में वे ध्रुव नाम के पुलिसकर्मी के साथ मौके पर पहुंच गए। इस दौरान सलमान हमारे पास ही था। जब उससे दस्तावेज दिखाने को कहा गया तो उसके पास आधार कार्ड सहित कोई भी पहचान पत्र नहीं था। उसने न केवल खुद को रेप का आरोपी मानने से इनकार किया, बल्कि रायसेन जिले में इस तरह की किसी भी घटना की जानकारी होने से भी मना कर दिया।

IAS संतोष वर्मा के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे भाजपा विधायक

उमाकांत शर्मा बोले- सरकार ने एक्शन नहीं लिया तो केस लगाऊंगा; ब्राह्मण बेटियों पर की थी टिप्पणी

भोपाल। एमपी के प्रमोटी आईएएस और अजाक्स के प्रांताध्यक्ष संतोष वर्मा के पर कार्रवाई को लेकर बीजेपी-कांग्रेस के ब्राह्मण नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को ब्राह्मण नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर आईएएस संतोष वर्मा पर कार्रवाई की मांग की। अब सिरोंज से बीजेपी विधायक उमाकांत शर्मा ने संतोष वर्मा के खिलाफ कोर्ट जाने की बात कही है। शर्मा ने कहा- मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई कर रही है, लेकिन व्यक्तिगत रूप से मैं बहुत आहत हूं। बेटी संसार में किसी की भी हो, बेटी वंदनीय, पूजनीय है। बता दें कि अजाक्स के प्रांतीय अधिवेशन में सीनियर कअर अधिकारी और नवनिर्वाचित प्रांताध्यक्ष संतोष वर्मा ने कहा था कि 'जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण अपनी बेटी दान नहीं देता या उससे संबंध नहीं बनता, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए।'

शर्मा बोले- बेटी का अपमान सार्वजनिक अपराध : विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ ये हमारा लक्ष्य है। किसी भी बेटी का अपमान करना, अनैतिक अभद्र, अपमानजनक, जाति-समुदाय विशेष के खिलाफ टिप्पणी करना ये सार्वजनिक अपराध है। इसके खिलाफ जल्द से जल्द हमारी सरकार और केन्द्रीय कार्मिक मंत्रालय कार्रवाई करेगा। ऐसा मुझे विश्वास है। अगर कार्रवाई नहीं हुई तो मैं व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में जाकर इस्तगासा (निजी परिवाद) पेश करूंगा।

प्रदेश में दो वर्ष में 7.31 लाख हैक्टेयर सिंचाई क्षेत्र का हुआ विस्तार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश की सिंचाई क्षमता 100 लाख हैक्टयर तक बढ़ाएंगे : प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल पर होगी प्रदेश की सिंचाई योजनाओं की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में गत दो वर्ष में 7.31 लाख हैक्टयर क्षेत्र में नई सिंचाई क्षमता विकसित हुई है। प्रदेश की सिंचाई क्षमता में वर्ष 2026 तक 8.44 लाख हैक्टयर की वृद्धि होगी। प्रदेश में सिंचाई क्षेत्र 100 लाख हैक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश की सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल का प्रयोग कर की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को विधानसभा समिति कक्ष में जल संसाधन विभाग और नर्मदा घाटी विकास विभाग की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पार्वती-काली-सिंध और चम्बल अंतर्राज्यीय लिंक परियोजना, केन-बेतवा अंतर्राज्यीय लिंक परियोजना की स्वीकृति और केंद्र सरकार के सहयोग को राज्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए राज्य में भी विभिन्न नदियों को जोड़ने के लिए नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

बैठक में जल संसाधन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि इस दिशा में राज्य में अध्ययन और सर्वेक्षण का कार्य किया गया है। राज्य में नदी जोड़ो परियोजना अंतर्गत उज्जैन जिले में कान्ह-गंभीर, मंदसौर, नीमच और उज्जैन में कालीसिंध-चंबल, सतना जिले में केन और मंदाकिनी, सिवनी एवं छिंदवाड़ा जिले में शक्कर पेंच और दूधी तामिया, रायसेन जिले में जामनेर नेवन और नेवन-बीना नदियों का सर्वेक्षण किया गया है। इस सभी के क्रियान्वयन से कुल 5 लाख 97 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जा सकेगी। इनकी अनुमानित लागत 9870 करोड़ रुपए होगी। सात जिलों के हजारों किसान इन योजनाओं से लाभान्वित होंगे। राज्य की नदियों में बाढ़, जल प्रबंधन, जल के समुचित उपयोग नदी कछारों में पर्याप्त जल की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से राज्य की नदियों को आपस में जोड़ने के लिए तकनीकी दल का गठन 13 नवम्बर 2024 को किया गया था ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल की झील की प्राचीन तकनीक का अध्ययन कर इस तर्ज पर कम लागत में सुरक्षित जलाशय एवं बांध निर्माण की अवधारणा पर कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के इस मॉडल का प्रदर्शन करने के निर्देश भी विभाग को दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जानकारी दी गई कि राज्य में जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

बैठक में बताया गया कि सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना उज्जैन जिसकी लागत 614.53 करोड़ रुपए है। इसकी भौतिक प्रगति 48 प्रतिशत है। इसी तरह कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना उज्जैन की लागत 919.94 करोड़ है। इस परियोजना की भौतिक प्रगति 42 प्रतिशत है। सिंहस्थः 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट निर्माण एवं संबद्ध कार्य किए जा रहे हैं, जिनकी लागत 778.91 करोड़ है। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख बिन्दु

- प्रदेश में गत दो वर्ष में 7.31 लाख हैक्टयर क्षेत्र में नई सिंचाई क्षमता विकसित।
- प्रदेश की सिंचाई क्षमता में वर्ष 2026 तक 8.44 लाख हैक्टयर की वृद्धि होगी।
- प्रदेश में सिंचाई क्षेत्र 100 लाख हैक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य।
- प्रदेश की सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल का प्रयोग कर की जाएगी।
- राज्य में भी विभिन्न नदियों को जोड़ने के लिए नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन के निर्देश।
- राज्य में नदी जोड़ो परियोजना अंतर्गत उज्जैन जिले में कान्ह-गंभीर, मंदसौर, नीमच और उज्जैन में कालीसिंध-चंबल, सतना जिले में केन और मंदाकिनी, सिवनी एवं छिंदवाड़ा जिले में शक्कर पेंच और दूधी तामिया, रायसेन जिले में जामनेर नेवन और नेवन-बीना नदियों का सर्वेक्षण किया गया।
- सभी के क्रियान्वयन से कुल 5 लाख 97 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जा सकेगी।
- इनकी अनुमानित लागत 9870 करोड़ रुपए होगी।
- सात जिलों के हजारों किसान इन योजनाओं से लाभान्वित होंगे।
- राज्य की नदियों को आपस में जोड़ने के लिए तकनीकी दल का गठन 13 नवम्बर 2024 को किया गया।
- भोपाल की झील की प्राचीन तकनीक का अध्ययन कर इस तर्ज पर कम लागत में सुरक्षित जलाशय एवं बांध निर्माण की अवधारणा पर कार्य करने के निर्देश।
- सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना उज्जैन जिसकी लागत 614.53 करोड़ रुपए है। इसकी भौतिक प्रगति 48 प्रतिशत है।
- कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना उज्जैन की लागत 919.94 करोड़ है। इस परियोजना की भौतिक प्रगति 42 प्रतिशत है।
- सिंहस्थः 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट निर्माण एवं संबद्ध कार्य किए जा रहे हैं, जिनकी लागत 778.91 करोड़ है।

कलेक्टर ने दिलाई एड्स जागरूकता व बचाव की शपथ

विश्व एड्स दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

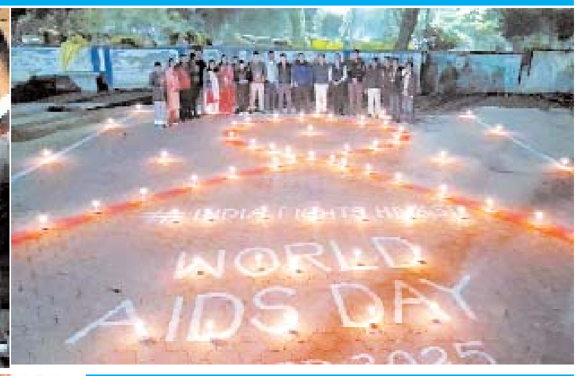

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने विश्व एड्स दिवस पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सभी अधिकारी- कर्मचारियों को एचआईव्ही एड्स के प्रति जागरूकता व बचाव की शपथ दिलाई। उन्होंने एचआईवी एड्स जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह व सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश सहित सभी अधिकारियों को जिला एड्स नियंत्रण समिति द्वारा प्रतीक चिन्ह रेड रिबिन लगाए गए। विश्व एड्स दिवस पर सभी ने शपथ को दोहराते हुए कहा कि मैं आज यह शपथ लेता लेती हूँ कि एचआईव्ही एड्स के बारे में सही जानकारी प्राप्त करूंगा करूंगी और दूसरों को भी जागरूक करूंगा करूंगी। मैं कभी किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करूंगा करूंगी, विशेषकर इंजेक्शन वाली ड्रग्स से दूर रहूंगा रहूंगी। यदि किसी चिकित्सा कारण से इंजेक्शन की आवश्यकता पड़ेगी है, तो हमेशा डिस्पोजेबल और नई सुई का ही उपयोग करूंगा करूंगी।

केलक्टर ने दिलाई शपथ

मैं किसी भी संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं करूंगा करूंगी और उन्हें सम्मान व समर्थन दूंगा दूंगी। मैं सुरक्षित व्यवहार अपनाऊंगा अपनाऊंगी और अपने स्वास्थ्य की नियमित जाँच कराऊंगा कराऊंगी। मैं अपने परिवार, मित्रों और समुदाय को एचआईवी एड्स से बचाव के उपाय बताऊंगा बताऊंगी। मैं समाज में व्याप्त गलत धारणाओं और अफवाहों का विरोध करूंगा करूंगी। मैं एक स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लेता लेती हूँ। कार्यक्रम की अगली श्रृंखला में केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में एचआईव्ही एड्स जागरूकता एवं नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा ने एचआईव्ही एड्स के कारण एवं उपचार के बारे में विस्तार से बताया। नोडल अधिकारी एड्स डॉ. विनय ठाकुर ने बताया कि एचआईव्ही एड्स एक गंभीर बीमारी है, जिसका

जागरूकता सबसे बेहतर बचाव है। डॉ. देवेन्द्र रिपुदमन सिंह ने एड्स रोग से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

विजेता प्रतिभागियों को दिए गए पुरस्कार

कार्यक्रम में जिला एड्स नियंत्रण समिति द्वारा आयोजित प्रश्न मंच प्रतियोगिता में 20 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। विश्व एड्स दिवस की संध्या पर एड्स जागरूकता प्रतीक चिन्ह रेड रिबिन की आकृति बनाई गई और मोमबत्ती जलाकर एचआईवी एड्स के कारण मृत हुए नागरिकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जेल अधीक्षक अजमेर सिंह, उप जेल अधीक्षक नरेन्द्र व्यास, सहायक जेल अधीक्षक आशीष खरे व देवेन्द्र मांझी, फार्मासिस्ट ओमकार झारिया, नर्सिंग अधिकारी डीएचओ वन डॉ. जीपी भनारिया, प्रभारी सीएस डॉ. जीएस चौरसिया नोडल पर्सन प्रशांत कुमार सोनी, इमाम मंसूरी सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।
बाक्स मे लगाएं

व्याख्यानमाला व प्रतियोगिताएं आयोजित

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के प्राचार्य डॉ.आर बी सिंह के निर्देशन में एवं राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा एवं छात्र इकाई के संयुक्त तत्वाधान में व्याख्यानमाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.अक्षत सिंह एवं राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रानी कुमारी एवं छात्र इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित ताम्रकार एवं पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जी.एस. मर्सकोले उपस्थित रहे व्याख्यान माला के कार्यक्रम के पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया। जिसमें वरिष्ठ स्वयंसेवकों में राशिका चौरसिया, मीडिया प्रभारी श्रुति गुप्ता, हर्षित चौरसिया एवं छात्रा इकाई दलनायिका मनीषा राजपूत, छात्र इकाई दलनायक दिनेश अग्रवाल, साक्षी रजक, नेहा लोधी, सपना पटेल, स्नेहा पटेल, प्रिया विश्वकर्मा, अंजलि विश्वकर्मा, मनोहर, गणेश, तनु, रोशनी, शिवानी, खुशबू, सुहानी, शिवानी ठाकुर, क्रांति, दीक्षा सेन आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में टॉस्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न हुई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने निरीक्षण के दौरान बाल एवं कुमार अधिनियम 1986 संशोधित 2017 के अंतर्गत समस्त निमार्णाधीन स्थलों पर बाल श्रम न हो और बाल श्रम निषेध प्रतिबंधित बोर्ड लगाए जाएं। निरीक्षण के दौरान यदि बाल श्रमिक पाए जाते हैं, तो उनके अभिभावकों को शासन द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का लाभ पात्रतानुसार प्रदान कराया जावे। साथ ही शिक्षा विभाग से यह जानकारी भी प्राप्त की जावेगी कि विगत एक माह से कितने विद्यार्थी शालाओं में अनुपस्थित थे, उन विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जावे। बैठक में बाल एवं कुमार अधिनियम और इसके प्रचार- प्रसार की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी, जिला खाद्य अधिकारी, मप्र जन अभियान परिषद, नोडल अधिकारी एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।

जनसुनवाई में आये 80 आवेदन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। मंगलवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 80 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के अवसर पर पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के अंतर्गत रेलवे हॉस्पिटल तथा रेलवे स्टेशन नरसिंहपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रेलवे चिकित्सक डॉ. आर. आर. कुर्रे ने उपस्थित कुलियों, वेंडरों, यात्रियों तथा रेलवे कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं।डॉ. कुर्रे ने बताया कि यह दिवस सन 1984 की भोपाल गैस त्रासदी की स्मृति में मनाया जाता है, ताकि समाज में प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण सीओपीडी, अस्थमा सहित अनेक गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। इसलिए

आवश्यक है कि प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर प्रदूषण नियंत्रण में योगदान दे। रेलवे स्टेशन परिसर में डॉ. कुर्रे ने स्वयं पौधारोपण किया तथा उपस्थित सभी लोगों को अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की फैक्ट्री,चाहे सीमेंट की हो या रासायनिक पदार्थों से संबंधित रिहायशी इलाकों से दूर स्थापित की जानी चाहिए, ताकि आम नागरिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रह सकें।उन्होंने सलाह दी कि अत्यधिक शोर-ध्वनि या धूलयुक्त क्षेत्रों में मास्क लगाकर चलना चाहिए और जीवनशैली में ऐसी आदतें अपनानी चाहिए, जिनसे प्रदूषण को कम किया जा सके। डॉ. कुर्रे ने कहा कि पेड़-पौधे लगाने से न केवल वायु शुद्ध होती है, बल्कि स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण भी प्राप्त होता है। कार्यक्रम के दौरान हरित सोच, हरित बने, प्रदूषण रोके। पृथ्वी को बचाओ, अपने आप को बचाओ। का संदेश दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में विक्रय होगा जिले का उत्पाद

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र नरसिंहपुर ने बताया कि 44 वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला वर्ष 2025 का आयोजन 14 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक प्रगति मैदान नई दिल्ली में किया गया था। उक्त मेले में जिले के विपतपुरा नरसिंहपुर के मेसर्स हेल्थ अनबाक्स प्रा.लि. संचालक चंद्रशेखर कुशवाहा ने अपने उत्पाद का स्टॉल लगाया। उल्लेखनीय है कि एमएसएमई भोपाल के निर्देशानुसार जिले के अभिनव नवीन तकनीक के अंतर्गत वैश्विक स्तर पर स्थापित इकाईयों में भाग लेने के निर्देश प्राप्त हुए थे। उक्त निर्देशों के परिपालन में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र नरसिंहपुर द्वारा मेसर्स हेल्थ अनबाक्स प्रा.लि. संचालक चंद्रशेखर कुशवाहा, जिनका उत्पादक (ग्रो बैग) का नाम प्रेषित किया गया था, जिनका चयन राज्य स्तरीय समिति द्वारा किया गया था।

विश्व दिव्यांग दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए आयोजित

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर विकासखंड स्तरीय दिव्यांग सांस्कृतिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन जिले के सभी विकासखंड में किया गया। नरसिंहपुर विकासखंड स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन डाइट परिसर में किया गया। यह प्रतियोगिता प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के दिव्यांग बच्चों में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 25 मीटर दौड़ में प्राथमिक के शिवांश लोधी एवं हरि बाई तथा माध्यमिक के प्रिंस सराठे एवं रिया, नींबू चम्मच दौड़ प्रतियोगिता में प्राथमिक के अमरजीत एवं गायत्री तथा माध्यमिक के राजवीर गोंड एवं जमना पटेल, रंगोली प्रतियोगिता में प्राथमिक की जानकी धानक एवं

माध्यमिक की रिया, चित्रकला प्रतियोगिता में प्राथमिक की जानकी धानक एवं माध्यमिक की आराध्या विश्वकर्मा, बास्केट बाल प्रतियोगिता में प्राथमिक की हरिबाई एवं माध्यमिक के राजवीर, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में प्राथमिक की जानकी धानक एवं माध्यमिक के शिवांश प्रजापति, मटकी फोड़ प्रतियोगिता में प्राथमिक के राहुल ठाकुर एवं माध्यमिक के आशीष ठाकुर और सांस्कृतिक कार्यक्रम में एकल नृत्य में प्राथमिक के श्रीकांत एवं माध्यमिक की आराध्या विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में उपस्थित सभी दिव्यांग बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर डाइट प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, जिला परियोजना समन्वयक मनीष चौकसे, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक ओपी राय एवं एपीसी आईईडी श्रीमती अंजू शर्मा, बीएसी ब्रजेश नेमा एवं विनोद झारिया, जनशिक्षक भगवत साहू, मधुसूदन दुबे सहित अन्य शिक्षकगण और बच्चे उपस्थित थे।

वृद्धजनों व दिव्यांगजनों को प्रदान किए सहायक उपकरण

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि भारत सरकार के उपक्रम एलिम्को एडिप एवं वयोश्री योजनांतर्गत जिले के विभिन्न नगरीय निकायों एवं जनपदों में वृद्धजनों व दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान करने के उद्देश्य से चिन्हांकन एवं परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत नरसिंहपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत मुंगवानी में 8 दिसम्बर को, नगर पालिका नरसिंहपुर के अंतर्गत पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में 9 दिसम्बर को, नगर पालिका करेली के अंतर्गत मंगल भवन करेली में 10 दिसम्बर को, जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत ग्राम पंचायत सूखाखैरी में 11 दिसम्बर को व ग्राम पंचायत शाहपुर में 12 दिसम्बर को और जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत जनपद पंचायत सांईखेड़ा में 13 दिसम्बर को चिन्हांकन एवं परीक्षण शिविर लगाए जाएंगे। एडिप योजना के दिव्यांग लाभार्थी अपने साथ यूआईडी कार्ड, आय प्रमाण पत्र अथवा बीपीएल राशन कार्ड व आधार कार्ड संबंधी दस्तावेजों की छायाप्रति परीक्षण शिविर में अनिवार्य रूप से लेकर आएं। भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजनांतर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजन अपने साथ बीपीएल राशन कार्ड या मनरेगा कार्ड की छायाप्रति मूल्यांकन परीक्षण शिविर में अनिवार्य रूप से साथ में लाएं।

व्यापार

NZ vs WI 1st Test: जैकब डफी के पंजे ने न्यूजीलैंड को दिलाई 96 रन की बढ़त

क्राइस्टचर्च। जैकब डफी ने पहली बार पांच विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड ने क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में बढ़त बना ली। डफी ने वेस्टइंडीज के निचले क्रम को संभाला, जबकि मैट हेनरी ने तीन अहम विकेट लिए, जिससे मेहमान टीम 67 रन पर आठ विकेट खोकर 167 रन पर आउट हो गई। न्यूजीलैंड के ओपनर्स ने फिर पहली पारी की बढ़त को 96 रन तक पहुंचाया और दिन के आखिर में सात ओवर के स्पेल में बिना किसी नुकसान के बाहर निकले।

दिन का दूसरा हाफ जिस तरह खत्म हुआ, उसके ठीक उलट, पहले हाफ में वेस्टइंडीज ने बाजी मारी। उन्होंने आखिरी बचा हुआ विकेट लेने में सिर्फ तीन गेंदें लीं, जिससे न्यूजीलैंड अपने रात के स्कोर 231 पर ढेर हो गया। सुबह बैटिंग के लिए हालात मुश्किल बने रहे, जैसा कि जकारी फाउल्केस और हेनरी ने जॉन कैंपबेल और एलिक अथानाजे को कुछ ही देर में आउट कर दिया, जिससे वेस्टइंडीज का स्कोर लगभग 11 ओवर की मुश्किल बैटिंग में 2 विकेट पर 10 रन हो गया।लेकिन इसके बाद चीजें आसान हो गईं, कुछ हद तक न्यूजीलैंड की अच्छी फील्डिंग की वजह से। तेजनारायण चंद्रपॉल को लेग गली में दो बार जीवनदान दिया गया, दोनों बार डेवोन कॉनवे ने। इसके बाद बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शाई होप के साथ एक मजबूत पार्टनरशिप की, जो आंख में इन्फेक्शन के कारण सनग्लासेस पहनकर बैटिंग कर रहे थे। पारी की पहली बाउंड्री 23वें ओवर के आखिर में आई जब होप ने डफी को कवर्स की तरफ ड्राइव किया।5 और 24 रन पर जीवनदान पाने के बाद, चंद्रपॉल अपनी पारी में बेहतर हुए और अपने डिफेंस को लेकर ज्यादा कॉन्फिडेंट थे। लंच के तुरंत बाद होप ने अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की, जब वह न्यूजीलैंड की शॉर्ट-बॉल चाल से परेशान हो रहे थे। डफी ने आखिरकार उन्हें कीपर टॉम लैथम के हाथों कैच करा दिया, जिन्होंने टॉम ब्लंडेल के पहले दिन हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण दिन का एक्शन मिस करने के बाद ग्लव्स पहने थे।90 रन की पार्टनरशिप खत्म होते ही विकेट पतन शुरू हो गया । हेनरी अटैक पर लौटे और एक ही ओवर में रोस्टन चेज और जस्टिन ग्रीव्स दोनों को शून्य पर आउट कर दिया। चंद्रपॉल और टेविन इमलाच ने छठे विकेट के लिए 34 रन जोड़े, इससे पहले कॉनवे ने स्क्वायर लेग पर एक तेज मौका पकड़कर अपनी दो फील्डिंग गलतियों का बदला लिया। 168 गेंदों तक टिके रहने के बाद, चंद्रपॉल ने फाउल्क्स की शॉर्ट बॉल पर जाने की कोशिश की और इसकी कीमत चुकाई।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरूआती कारोबार में गिरावट

नई दिल्ली। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और निवेशकों की मुनाफावसूली के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरूआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। घरेलू बाजारों में लगातार चौथे सत्र में गिरावट जारी रही। 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 165.35 अंक फिसलकर 84,972.92 अंक पर आ गया। 50 शेयर वाला एनएसई निफ्टी 77.85 अंक टूटकर 25,954.35 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एनटीपीसी और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में बढ़त दर्ज की गई।

Maruti Suzuki एक लाख चार्जिंग स्टेशन लगाएगी, कई मॉडल पेश करेगी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को कहा कि वह विभिन्न आकार में कई इलेक्ट्रिक मॉडल पेश करेगी और इस खंड में नेतृत्व हासिल करने के लिए पूरे देश में चार्जिंग अवसंरचना तैयार करेगी। कंपनी अगले साल अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा पेश करने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही वह डीलर साझेदारों तथा चार्जिंग पॉइंट परिचालकों के साथ मिलकर 2030 तक करीब एक लाख चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना बना रही है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिशाशी ताकेउची ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, हमारी मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के दृष्टिकोण के अनुरूप आने वाले वर्षों में हम विभिन्न आकार और खंड में कई और इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि इसी दृष्टिकोण के तहत 2030 तक डीलरों और चार्ज पॉइंट परिचालकों के साथ मिलकर एक लाख से अधिक चार्जिंग स्टेशन का नेटवर्क स्थापित करने का लक्ष्य है। ताकेउची ने कहा, हम देश में इलेक्ट्रिक परिवहन में अग्रणी बनेंगे और बाजार नेतृत्वकर्ता के रूप में हम ईवी अपनाने को ग्राहकों के लिए आसान बनाने का काम करेंगे। कंपनी चार्जिंग नेटवर्क की स्थापना के साथ 2026 में ई-विटारा की बिक्री शुरू करेगी। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक परिवहन में कदम रखते समय कंपनी उत्पाद और परिवेश, दोनों लिहाज से पूरी तैयारी के साथ उतरेगी। ताकेउची ने कहा कि कंपनी ने 1,100 से अधिक शहरों में अपने बिक्री और सर्विस केंद्रों पर 2,000 से ज्यादा मारुति सुजुकी एक्सक्लूसिव चार्जिंग स्टेशन का नेटवर्क तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा, डीलर नेटवर्क में चार्जिंग अवसंरचना और ऐप तैयार करने के लिए हमने करीब 250 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

गोंडवाना छात्र संघ ने कलेक्टर सहित उच्चाधिकारियों से की कार्रवाई की मांग, छात्रावास की छात्राओं ने शिक्षका के विरोध में किया हल्ला बोल अधीक्षक हटाओ

छात्रावास में अव्यवस्थाओं का आरोप अधीक्षिका पर गंभीर शिकायत

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन जिला मंडला द्वारा आज सुबह 11 बजे से मंडला मुख्यालय पहुँच कर सहायक आयुक्त कार्यालय में हल्ला बोल दिया जहाँ पर जमके हाथों में झंडे लेकर नारेबाजी की गई और छात्रावास अधीक्षिका हटाओ के नारे लगाये , वही सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय कन्या छात्रावास मंडला की अधीक्षिका श्रीमती सिधिया चौकसे के विरुद्ध गंभीर शिकायत दर्ज कराते हुए प्रशासन से तत्काल छात्रावास से हटाते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। छात्र संघ द्वारा पहले ही कलेक्टर से लेकर सहायक आयुक कार्यालय में अधीक्षिका को हटाने को लेकर लिखित आवेदन दिये जा चुके बावजूद इसके आज दिनांक का अधीक्षिका के खिलाफ कोई कार्यवाही न होने से आक्रोशित छात्राए ने सहायक आयुक्त कार्यालय में सुबह से दर्जनों की संख्या में और हाथों में झंडे धरे हुए मांग की अधीक्षिका को हटाओ जल्द हटाओ वही छात्राओं की मांग है कि छात्रावास अधीक्षिका आये दिन जाति सूचक को लेकर आये दिन गाली गलोच करती है साथ ही बच्चों को पढ़ाने की कोशिश नही करती हैं जिस कारण छात्रावास की व्यवस्थाओं को पूरी तरह अव्यवस्थित बताया गया है, जिससे छात्राओं की शिक्षा,

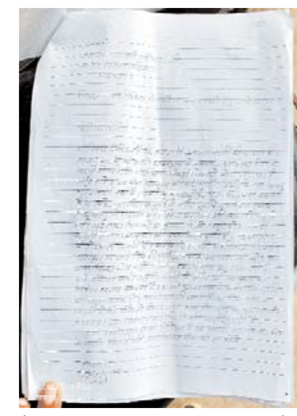

सुरक्षा और मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। शिकायत पत्र में उल्लेख है कि शैक्षणिक सत्र 2023झ24 एवं 2024झ25 के दौरान छात्राओं द्वारा लगातार मौखिक एवं लिखित शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आरोप है कि अधीक्षिका द्वारा छात्राओं को उनकी मातृभाषा हिंदी की पढ़ाई से वंचित किया जा रहा है तथा विषय विशेषज्ञ शिक्षक की व्यवस्था न होने से छात्राएं एक वर्ष से पढ़ाई नहीं कर पा रही हैं। छात्र संघ के अनुसार, आए दिन छात्रावास परिसर में असामाजिक तत्वों का प्रवेश हो रहा है, जिससे गाली-गलौज, गंदा माहौल और भय की स्थिति बनी रहती है। छात्राओं ने कई बार इसकी जानकारी प्रशासन को दी, पर किसी विभाग ने अब तक गंभीरता नहीं दिखाई।

दस्तावेजों में यह भी उल्लेख है कि अधीक्षिका की उपस्थिति महज 1 से 1.5 घंटे प्रतिदिन ही रहती है। शाला प्रबंधन के आदेश अनुसार छात्रावास सुबह 12 बजे खुलता है और 1 से 1.5 बजे बंद कर दिया जाता है, जिससे छात्राओं को आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा। छात्र संघ ने यह आरोप भी लगाया है कि अधीक्षिका द्वारा छात्राओं के सामने अपमानजनक भाषा, गाली-गलौज एवं धमकी भरा व्यवहार किया जाता है, जिससे छात्राएं मानसिक रूप से भयभीत रहती हैं। यह आचरण न केवल सेवा नियमों के विरुद्ध है बल्कि छात्राओं की गरिमा के भी खिलाफ है। संघ ने याद दिलाया कि इससे पूर्व छात्र आंदोलन के बाद सुश्री शिखा चौकसे को अधीक्षिका पद से हटाया जा चुका है, बावजूद इसके व्यवस्थाओं में कोई सुधार नहीं हुआ है। छात्र संघ ने मांग की है कि वर्तमान में छात्रावास क्रमांक-02 की अधीक्षिका श्रीमती प्रतिभा मरावी के खिलाफ कोई भी शिकायत नहीं है, जिनके कार्य व्यवहार से छात्राएं संतुष्ट हैं, अतः उन्हें ही अधीक्षिका पद पर स्थायी रूप से बनाए रखा जाए। साथ ही अधीक्षिका श्रीमती सिधिया चौकसे की शह सेअसामाजिक तत्वो के द्वारा बाउंड्रीबाल से उत्पाद किया जाता हैं जिस कारण से हमे बहुत तकलीफ होती है जिला प्रशासन तत्काल जांच बैठाते हुए न्यायसंगत एवं कड़ी कार्रवाई की जाए अथवा उन्हें इस विद्यालय से स्थानांतरित कर अन्य जिले में पदस्थ किया जाए, ताकि छात्रावास में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक वातावरण सुधर सके। गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन जिला मंडला ने इस पूरे प्रकरण की शिकायत मुख्यमंत्री, कलेक्टर मंडला, संभागायुक्त जबलपुर, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य उच्च अधिकारियों तक प्रेषित कर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीमडोंगरी में रोजगार शिविर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के विकास खंड मवई के भीमडोगरी के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीमडोंगरी में पुलिस प्रशासन मंडला एवं एलएनटी कंपनी के सौजन्य से एक दिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बहुराष्ट्रीय कंपनी द्वारा युवाओं को विभिन्न ट्रेडों में रोजगार हेतु चिन्हित करने की प्रक्रिया संचालित की गई। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा सायबर अपराध से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी धोखाधड़ी, बैंकिंग फ्रॉड और सोशल मीडिया सुरक्षा जैसे विषयों पर युवाओं को विस्तार से समझाया गया। अधिकारियों ने कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराध से बचने का प्रमुख उपाय है। शिविर में पुलिस अधीक्षक रजत सकलेजा, एसडीओपी मनीष राज कमल, थाना प्रभारी हेमंत बाबरिया, एलएनटी कंपनी के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं ने शिविर में भाग लेकर रोजगार और सुरक्षा दोनों विषयों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

अमानक गेहूं सप्लाई मामले में 3 अधिकारियों पर एफआईआर

मोहगांव-घुघरी की 22 उचित मूल्य दुकानों में भेजा गया था खराब गेहूं

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला के मोहगांव और घुघरी विकासखंड की 22 उचित मूल्य दुकानों में नवंबर में 984 क्विंटल अमानक गेहूं की सप्लाई के मामले में तीन अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इन अधिकारियों में मध्य प्रदेश वेयर हाउसिंग एवं लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक (जो नागरिक आपूर्ति निगम के प्रभारी जिला प्रबंधक भी हैं), नागरिक आपूर्ति निगम के केंद्र प्रभारी (घुघरी) और वेयरहाउस घुघरी के शाखा प्रबंधक शामिल हैं। यह मामला

आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत दर्ज किया गया है।

उचित मूल्य दुकान के विक्रेता ने की थी शिकायत

घुघरी के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि

परसवाह की उचित मूल्य दुकान के विक्रेता ने खराब गेहूं मिलने की शिकायत की थी। इस शिकायत के बाद तहसीलदार और कार्यपालिक तहसीलदार के साथ एक संयुक्त टीम बनाकर जांच की गई। जांच में गेहूं अमानक पाया गया, जिसके बाद एसडीएम घुघरी को एक प्रतिवेदन सौंपा गया। इसी प्रतिवेदन के आधार पर घुघरी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

पुलिस ने तीन अधिकारियों पर दर्ज किया मामला

एसडीएम घुघरी और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के प्रतिवेदन के आधार पर, घुघरी पुलिस ने तीन अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें नागरिक आपूर्ति निगम के प्रभारी जिला प्रबंधक हेमंत वर्मा, नागरिक आपूर्ति निगम के केंद्र प्रभारी अमन तेकाम और वेयरहाउस घुघरी के शाखा प्रबंधक दुर्गेश तेकाम शामिल हैं। इन पर पीडीएस कंट्रोल ऑर्डर की कंडिकाओं के तहत आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। एसपी रजत सकलेचा ने बताया कि परसवाह की उचित मूल्य दुकान से घुन लगा गेहूं बेचने के लिए भेजा गया था। राजस्व अधिकारियों की जांच में यह भी सामने आया है कि संबंधित फर्म को पहले ही ब्लैकलिस्ट कर दिया गया था। इसके बावजूद अधिकारियों द्वारा नॉन-एफएक्यू (मानक के अनुरूप नहीं) गेहूं की सप्लाई की गई। अधिकारियों के जांच प्रतिवेदन के आधार पर यह मामला दर्ज किया गया है।

984 क्विंटल अमानक गेहूं दुकानों तक पहुंचा

पुलिस के अनुसार, नवंबर में पीडीएस के तहत राशन वितरण के लिए जामगांव नैनपुर के आकाश वेयरहाउस से गंगा वेयरहाउस घुघरी को गेहूं भेजा गया था। यह गेहूं मोहगांव और घुघरी विकासखंड की 22 उचित मूल्य दुकानों के लिए था। कुल 984 क्विंटल अमानक गेहूं (मानव उपभोग के अयोग्य) इन दुकानों तक पहुंचा। उचित मूल्य दुकानों से आपूर्ति विभाग और प्रशासन को अमानक गेहूं की शिकायतें मिली थीं, जिसके बाद जांच शुरू की गई।

मंडला में ऑटो बाइक की भिड़ंत, एक युवक की मौत

6 वर्षीय बच्चा घायल, इलाज जारी; भीखमपुर मड़ई जा रहा था मामा-भांजा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला के निवास थाना क्षेत्र के भीखमपुर गांव के पास मंगलवार को सड़क हादसे में बाइक सवार मामा की मौत हो गई। इस दुर्घटना में उनका छह वर्षीय भांजा मामूली रूप से घायल हो गया। मामा-भांजा भीखमपुर मड़ई जा रहे थे, तभी उनकी बाइक को एक ऑटो ने टक्कर मार दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा निवास से कुंडम मार्ग के बीच हुआ। ऑटो सुखरी खरखरा की ओर से सवारी लेने के लिए भीखमपुर से निकला था। भीखमपुर गांव के पास ही ऑटो और बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार ओम प्रकाश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सतपहरी रैयत के बंजर टोला निवासी ओम प्रकाश यादव (35 वर्ष) पिता राम लाल यादव के रूप में हुई है। उनके साथ बाइक पर सवार उनका भांजा लकी यादव (6 वर्ष) पिता संपत यादव, निवासी ग्राम करनपुरा, मामूली रूप से घायल हो गया।घायल लकी यादव को निवास सीएचसी में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। निवास पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। शाम होने के कारण मृतक का पोस्टमॉर्टम मंगलवार को नहीं हो सका। बुधवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

फूलसागर में कीटनाशक एवं बीज दुकान सील की गई

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। कृषक श्री धर्मेन्द्र सिंह पटैल पिता श्री गोविंद पटेल निवास ग्राम सिलुआ तहसील घंसौर जिला सिवनी के द्वारा किंषुक ट्रेडर्स फूलसागर प्रो. कुलदीप सिंह राजपूत की शिकायत कार्यालय उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मण्डला एवं जनसुनवाई कार्यक्रम में प्राप्त हुई। उप संचालक कृषि मण्डला के निदेर्शानुसार श्री अरविंद कुमार वर्मा, सहायक संचालक कृषि के द्वारा 2 दिसंबर को संबंधित प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया गया। जिसमें कीटनाशक एवं बीज के समस्त संबंधित रिकार्ड पंजी मौके पर दुकानदार द्वारा प्रस्तुत नहीं की गई। प्रतिष्ठान संचालक ने निर्धारित अभिलेखों का संधारण न किया जाना एवं मौके पर प्रतिष्ठान से अवसान तिथि के कीटनाशक पाये जाने के फलस्वरूप बीज एवं कीटनाशक निरीक्षक द्वारा किंषुक ट्रेडर्स को पंचनामा एवं निरीक्षण प्रतिवेदन तैयार कर दुकान सील करने की कार्यवाही की गई।

सड़क पर बह रहा नल-जल योजना का पानी, पांडकला की महिलाओं ने एसडीएम से लगाई नाली निर्माण की गुहार

घुघरी के ग्राम पंचायत पांडकला की महिलाएं अपनी मूलभूत सुविधाओं के लिए पहुंची एसडीएम के पास

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। घुघरी अनुविभाग अंतर्गत ग्राम पंचायत पांडकला के पोषक ग्राम सेलवारा में नल-जल योजना शुरू होने के बावजूद, पानी की निकासी की उचित व्यवस्था न होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। योजना का उपयोग किया गया पानी मुख्य सड़क पर बह रहा है, जिससे कीचड़ और गंदगी फैल गई है। ग्राम सेलवारा के समस्त ग्रामवासियों ने आज अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), घुघरी, को एक लिखित आवेदन सौंपकर तत्काल नाली निर्माण की मांग की है। आवेदकों ने बताया कि ग्राम पंचायत पांडकला द्वारा गाँव में नल-जल वितरण तो शुरू कर दिया गया है, लेकिन दूषित पानी की निकासी के लिए कोई नाली नहीं बनाई गई है। इसके चलते यह गंदा पानी सीधे मुख्य मार्ग पर जमा हो रहा है, जिससे सड़क पर फिसलन और कीचड़ की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पर लगातार पानी बहने के कारण आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। विशेष रूप से दो पहिया वाहन चालकों और बुजुर्गों को सड़क पार करने में अत्यंत कठिनाई हो रही है, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है।

पंचायत की कार्यप्रणाली पर लापरवाही का आरोप और सुधार शून्य- ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या के संबंध में ग्राम पंचायत को पहले भी कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन पंचायत पदाधिकारियों द्वारा अभी तक कोई भी उचित कार्रवाई नहीं की गई है। नाली निर्माण की यह मांग लंबे समय से लंबित है, फिर भी पंचायत प्रशासन उदासीन बना हुआ है।

प्रशासन से अपील- समस्त ग्रामवासियों ने अनुविभागीय अधिकारी से निवेदन किया है कि वे इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल ग्राम पंचायत को उचित निर्देश दें ताकि जल्द से जल्द नाली का निर्माण हो सके और ग्रामीणों को इस रोजमर्रा की परेशानी से मुक्ति मिल सके।

मंडला में बढ़ी ठंड, न्यूनतम तापमान में गिरावट

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में बादलों के छंटने के बाद ठंड का दौर फिर से शुरू हो गया है। बुधवार सुबह जिले में घना कोहरा छाया रहा और न्यूनतम तापमान 11.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे बाद न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट की संभावना जताई है। पिछले कुछ दिनों से बादलों के कारण ठंड से थोड़ी राहत मिली थी, लेकिन अब मौसम साफ होने से ठिठुरन बढ़ गई है। मंगलवार को मंडला का न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस रहा था। तापमान में गिरावट और हल्की हवा के कारण दिन में भी ठंड का एहसास हो रहा है, जो शाम होते-होते और अधिक बढ़ जाती है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, मध्य प्रदेश के ऊपर मौसम साफ बना हुआ है। आगामी 24 घंटों में मौसम में कोई बड़ा बदलाव अपेक्षित नहीं है, लेकिन इसके बाद न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं के लिए मंडला पुलिस की महत्वपूर्ण पहल: रोजगार शिविर में खुले सपनों के नए अवसर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने और उन्हें सम्मानजनक रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला पुलिस मंडला के द्वारा 2 से 4 दिसम्बर तक तीन दिवसीय रोजगार शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर एल एंड टी कंपनी के सहयोग से बिछिया, मोतीनाला और मवई में संचालित हुआ। शिविर के दौरान युवाओं को निर्माण कार्य से संबंधित विभिन्न ट्रेडों, प्रशिक्षण अवसरों और भर्ती प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। विशेष रूप से एल एंड टी कंपनी के प्रतिनिधि श्री कमल चन्द्रवंशी ने युवाओं के सवालों का धैर्यपूर्वक उत्तर देते हुए उन्हें रोजगार की दिशा में प्रोत्साहित किया। मंगलवार को थाना

परिसर बिछिया तथा बुधवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोतीनाला में आयोजित शिविर में लगभग 230 युवा उपस्थित हुए। युवाओं के चेहरे पर उम्मीद और उत्साह साफ देखा जा सकता था, जिन्होंने अपने सपनों को साकार करने की राह में यह पहला कदम रखा। शिविर में एसडीओपी नैनपुर श्री मनीष राज, उप पुलिस अधीक्षक मंडला श्रीमती अर्चना अहीर, थाना प्रभारी बिछिया श्री भीष्म तिवारी, थाना प्रभारी मोतीनाला श्री हेमंत बावरिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस विभाग ने बताया कि गुरुवार को थाना मवई में शिविर का अंतिम चरण आयोजित किया जाएगा, जिसमें और अधिक युवाओं को रोजगार संबंधी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से मंडला पुलिस ने यह संदेश दिया है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवा भी मुख्य धारा से जुड़ सकते हैं, उन्हें सम्मान और अवसर मिल सकते हैं और उनके सपनों की उड़ान को साकार किया जा सकता है।

स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in

नप अध्यक्ष के खास पीएम आवास योजना में अपात्र लोग हुए पात्र, 10 लाख का मकान, वाहन फिर भी है गरीब

मामला नगर परिषद बरगवां अमलाई का

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। फर्जी तरीके से पात्रता पर्ची बनवाकर औद्योगिक इकाइयों में ओरिएंट पेपर मिल कागज कारखाना, सोडा कास्टिक यूनिट में कार्य कर रहे संपन्न लोग प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र हितग्राही के रूप में सूची में नाम दर्ज है। नगर परिषद बरगवां के वार्ड क्रमांक 3 में ओरिएंट पेपर मिल और मध्य प्रदेश शासन एवं स्थानीय निवासियों की भूमि पर अवैध कब्जा करते हुए भवन निर्माण कार्य किए हुए लोग साथ ही भूमिहीन बनकर मुख्यमंत्री भू अधिकार(पट्टा) लेकर एक बार नहीं दो बार नहीं तीसरी बार प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन करते हुए इस योजना का लाभ लेने की तैयारी में नगर परिषद द्वारा बनाई गई सूची में उनके नाम दर्ज हैं, जो की जांच का विषय है। कौन है जो इस प्रकार शासन की योजनाओं पर पात्र हितग्राहियों को लाभ से वंचित कर रहा है और ऐसे लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ दिल रहा है। वार्ड क्रमांक 3 में अवैध रूप से रह रहे उद्योगों में कर्मचारी सर्व संपन्न सुविधायुक्त होने के बावजूद भी भूमि एवं स्थानीय पुश्तैनी निवासियों को मिलने वाले लाभ से वंचित करते आ रहे हैं। बरगवां वार्ड क्रमांक के आदिवासी बाहुल्य होने के साथ आज भी शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है, लेकिन इसका सबसे बड़ा कारण नगर परिषद के जनप्रतिनिधि और उनके दलालों के कारण आज की स्थिति में पीएम आवास की तैयार की गई सूची पर नामी गिरामी सेठ साहूकार और रहीसों के नाम शामिल किए गए हैं। पूर्व में आवास योजना का लाभ उठाएं लोग पुनः आवास योजना का लाभ लेने की तैयारी में सूत्रों के मुताबिक मिली जानकारी के अनुसार नगर परिषद के अध्यक्ष के रहनुमो का प्रधानमंत्री आवास की सूची में सर्वाधिक नाम दर्ज हैं। जबकि नगर परिषद के मुख्य नगर पंचायत अधिकारी को विधिवत पूर्व में ग्राम पंचायत बरगवां जनपद पंचायत जैतहरी से गरीबों के रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले बीपीएल कार्ड धारी के नाम की सूची का अवलोकन करते हुए पूर्व में जिन हितग्राहियों को आवास योजना का लाभ मिल चुका है, उसके आधार पर जिन्हें आज तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया, ऐसे लोगों का चयन करना चाहिए, लेकिन नगर परिषद के नुमाइंदों की भरेर्शाही की वजह से फर्जी तरीके से पात्रता पर्ची दिलवा कर अपात्र लोगों को अब प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी जनकल्याणकारी योजना का लाभ भी दिलाने की फिराक में है। जिसके कारण आज ऐसे लोग जो भूमिहीन एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं वह इस योजना के लाभ से वंचित रह गए हैं।

हार्ट अटैक के पीडित मरीज को किया गया एयरलिफ्ट, इलाज के लिए भेजा गया एम्स भोपाल

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। प्रत्येक जीवन अमूल्य है और इसी भावना के साथ आपातकालीन स्थिति के दौरान उन्नत चिकित्सा सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सुविधा प्रारंभ की गई है। इसके तहत अनूपपुर जिले के डोला नगर परिषद के निवासी 50 वर्षीय श्री विश्वनाथ गोस्वामी को माइनर अटैक आने के कारण प्रातः 11:30 बजे, जिला मुख्यालय स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय हैलीपैड से एयर एम्बुलेंस द्वारा सुरक्षित रूप से एम्स भोपाल रवाना किया गया। मरीज के साथ उनके पुत्र भी गए हैं। श्री गोस्वामी पिछले एक वर्ष से किडनी की बीमारी से ग्रसित थे। जिला चिकित्सालय अनूपपुर में डायलिसिस के दौरान उन्हें अचानक माइनर अटैक आने पर उनकी स्थिति गंभीर हो गई। स्थिति को देखते हुए मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल के विशेष प्रयास तथा कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम के सहयोग एवं समन्वय द्वारा मरीज श्री विश्वनाथ गोस्वामी को उच्च स्तरीय इलाज उपलब्ध कराने हेतु आज एयरलिफ्ट कर एम्स भोपाल भेजा गया। आपातकालीन सेवा के इस त्वरित और संवेदनशील उपयोग से मरीज को तुरंत उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सकी। मरीज के परिजनों ने इस समय पर मिली एम्बुलेंस सेवा और प्रशासनिक सहयोग के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस पूरी प्रक्रिया में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी के अलावा जिला प्रशासन, जिला चिकित्सालय, नगरपालिका की टीम ने सराहनीय योगदान दिया। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि संकट की घड़ी में सरकार की यह पहल आमजन के लिए उम्मीद की नई किरण बन रही है।

सड़क पर गड्ढे या गड्ढे पर सड़क डोला तिराहा बना 'हादसों व मौत का अड्डा', हमेशा होटी है घटना

कॉलरी प्रबंधन व नगर परिषद की बड़ी लापरवाही

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। बिजुरी से मनेन्द्रगढ़ मार्ग पर स्थित डोला तिराहा की सड़क नहीं, बल्कि यह नगर परिषद डोला और कॉलरी प्रबंधन की घोर आपराधिक अनदेखी का खुला प्रमाण है। गहरे और चौड़े गड्ढों में तब्दील यह व्यस्त तिराहा हर दिन दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। दोनों ही जिम्मेदार संस्थाओं की इस लापरवाही के कारण कभी भी कोई बड़ी जनहानि या सामूहिक दुर्घटना होने की आशंका प्रबल हो गई है और जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से पलडा झाड़ते दिखाई दे रहे हैं। बिजुरी-मनेन्द्रगढ़ मार्ग पर स्थित डोला तिराहा की सड़क नहीं, बल्कि यह नगर परिषद डोला और कॉलरी प्रबंधन की घोर आपराधिक लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण बन चुका है। गड्ढों की वजह से जर्जर हो चुकी यह सड़क अब 'यमदूत' का काम कर रही है। इन दोनों जिम्मेदार संस्थाओं की मिलीभगत और अनदेखी ने क्षेत्र की जनता को मौत के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिसके चलते किसी भी वक्त बड़ी घटना होने की आशंका पैदा हो गई है। डोला तिराहा क्षेत्र से कॉलरी का भारी परिवहन गुजरता है, जिससे यह स्पष्ट है कि सड़क की बदहाली के लिए कॉलरी प्रबंधन सीधे तौर पर जिम्मेदार है, जिसकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह सड़क को दुरुस्त रखे। वहीं क्षेत्र के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और मार्ग को यातायात योग्य बनाए रखना नगर परिषद डोला का कानूनी दायित्व है। नगर परिषद कहती है कि यह कॉलरी क्षेत्र है और कॉलरी प्रबंधन कहता है कि यह नगर परिषद की सीमा में आता है। भारी कोयला ट्रकों के गुजरने और गड्ढों के कारण अक्सर छोटे वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं। स्थानीय निवासियों का डर है कि किसी भी दिन इन ट्रकों की टक्कर से कोई यात्री बस या कई दोपहिया वाहन चालक एक साथ शिकार हो सकते हैं, जिससे बड़ी जनहानि हो सकती है।

इनका कहना है।

हमारे द्वारा सड़क बनाने हेतु फंड की डिमांड मंत्री व कलेक्टर से की गई है, फंड सैंक्शन होते ही हमारे द्वारा सड़क बनवाई जाएगी, साथ ही बड़े-बड़े गड्डो को हमारे द्वारा लेबलिंग करवाई जाती है, लेकिन कॉलरी के कोयले लोड भारी ट्रक चलने से 24 घंटे में ही सड़क टूट जाती है।

राजेश मार्को, सीएमओ डोला

यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे ट्रक पर 70 हजार का जुमार्ना

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा सख्त चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नियमों का उल्लंघन कर संचालित हो रहे एक ट्रक वाहन पर बड़ी कार्यवाही की गई है। चेकिंग के दौरान ट्रक क्रमांक उत्र्न10 इढ 5531 को यातायात नियमों का उल्लंघन (नेशनल परमिट की शर्तों का उल्लंघन, प्रदूषण प्रमाण पत्र न होना आदि) करते पाए जाने पर रोककर दस्तावेजों एवं सुरक्षा मानकों की जांच की गई। आवश्यक नियमों का पालन न करने पर ट्रक को मौके पर ही जब्त कर प्रकरण तैयार कर अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा गया, जहां से वाहन संचालक पर 70 हजार का जुमार्ना अधिरोपित किया गया। सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने तथा वाहन चालकों को नियमों के पालन के लिए प्रेरित करने हेतु जिलेभर में विशेष जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष ने 995 किलो दूर पहुँचकर पीड़िता की मदद

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष रामनारायण मिश्र ने पीड़ित आदिवासी महिला की मदद कर मानवता की मिसाल पेश की है। मानव अधिकार के जिला अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया एक बार फिर से दिल्ली आना हुआ उन्होंने बताया हमारे ग्रह क्षेत्र गोहपारू शहडोल के बगल के गांव धोंनहा की आदिवासी समाज की सीधी-साधी महिला संतोषी सिंह जिनका बड़ा बेटा पुणे में काम करने गया था, जहां वह काम कर रहा था, उसी कंपनी से उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया, जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति उपयोग करने लगा था, उसने इनके मोबाइल सिम से किसी के खाते फ्रॉड कर43 लाख रु की राशि आहरण कर ली थीं, पीड़ित व्यक्तियो ने थाना सेक्टर 20 नोएडा दिल्ली में पुलिस प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जांच के दौरान थाना नोएडा ने पाया कि जिस धोखाधड़ी में उक्त सिम का उपयोग हो रहा है वह हमारे गांव की आदिवासी महिला संतोषी सिंह का नंबर था, जिन्हें किसी प्रकार की इस घटना के संबंध में कोई जानकारी भी नहीं थी, थाना गोहपारू के नोटिस के माध्यम से पीड़ित आदिवासी महिला को दिल्ली नोएडा आने की हिदायत दी गई, जिन्हे लेकर मेरा दिल्ली नोएडा थाना सेक्टर 20 आकर पीड़िता की मदद की, ताकि पीड़ित निर्दोष महिला ऐसे संगीन अपराध से बच सके, मानव अधिकार के जिला अध्यक्ष ने समस्त नागरिक से अपील की है की सभी नागरिक जन सावधानी पूर्वक अपने मोबाइल का उपयोग करे और इस तरह के हादसों के शिकार होने से बचे, इसके पहले भी रामनारायण मिश्रा ने 2000 किलोमीटर दूर पहुंचकर बेंगलुरु में भी एक पीड़ित आदिवासी की मदद कर समाज को सहयोग करने का संदेश दिया था, एक बार फिर से अपने निवास से 995 किलोमीटर दूर पहुंचकर जिला अध्यक्ष ने मानवता की अनुपम मिसाल पेस की है समाज सदा ऐसे समाजसेवियों का ऋणी रहेगा।

बिगड़ती कानून-व्यवस्था, प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराई: मनीष श्रीवास्तव

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि, मध्यप्रदेश एक बार फिर उस दर्दनाक घटना से दहल उठा है, जिसने न केवल समाज को झकझोर दिया, बल्कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था की कमजोरियों को भी बेनकाब कर दिया। छह वर्ष की एक मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी ने हर संवेदनशील नागरिक को भीतर तक चोट दिया है। यह घटना सिर्फ अपराध की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता की भी कहानी कहती है, जो नागरिकों विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदार होती है। घटना के पांच दिन बाद, जब जनआक्रोश सड़क पर उतर आया, तब कहीं जाकर पुलिस ने आरोपी की खोजबीन तेज की। यह देरी अपने क्या मध्यप्रदेश की कानून-व्यवस्था इतनी सुस्त हो चुकी है कि लोगों के दबाव के बिना वह हरकत में नहीं आती। मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि,प्रदेश की शासन व्यवस्था में गृह विभाग वह कड़ी है जो कानून-व्यवस्था का सीधा और सबसे बड़ा दायित्व निभाता है। लेकिन इस बार एक और सवाल चर्चा में है वह यह कि पिछले सात दशकों में पहली बार ऐसा हुआ है जब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने इतने लंबे समय तक गृह मंत्रालय अपने पास रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विकास योजनाओं, उद्योगों, निवेश, शिक्षा और कई अन्य क्षेत्रों पर खुद निगरानी रखते हुए लगातार सक्रिय दिखाई देते हैं। लेकिन यदि विकास योजनाओं में व्यस्तता बढ़ रही है, तो सवाल उठता है क्या उन्हें गृह विभाग का महत्वपूर्ण दायित्व किसी सक्षम मंत्री को नहीं सौंप देना चाहिए। उन्होंने बताया कि,राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट मध्यप्रदेश के लिए चिंता का गंभीर विषय है। प्रदेश लगातार उन राज्यों की सूची में शामिल है जहां नाबालिग लड़कियों के खिलाफ अपराधों की संख्या सबसे अधिक है। रिपोर्ट बताती है कि दुष्कर्म, छेड़छाड़, अपहरण और यौन शोषण के मामलों में मध्यप्रदेश की स्थिति चिंताजनक है।

शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा जारी परीक्षा परिणाम को लेकर कुलगुरु को सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शहडोल नगर द्वारा शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा में मनमानी ढंग से परीक्षा परिणाम एवं अन्य 10 विषयों को लेकर कुलगुरु को नगर मंत्री अमन त्रिपाठी द्वारा विश्वविद्यालय में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया गया। स्नातक एवं स्नातकोत्तर की परीक्षाएं आज दिनांक से 4 से 6 माह पूर्व अयोजित की गई थी किन्तु परिणाम घोषित होने में इतना विलम्ब क्यों ।इतने विलंब के बाद भी अधिकतम विद्यार्थियों के परिणाम ध्३ॅ'ि या 0 नंबर दिखाई दे रहा हैं जिसमें कही न कही विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी नजर आ रही हैं, जिसका प्रमुख कारण आनन फानन में जारी किया गया परिणाम प्रतीत होता हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा कॉलेशन के नाम पर बिना किसी आदेश के मनमाने पूर्वक बिना किसी अनुभव के शिक्षकों को लगाया गया जो कि परीक्षा परिणाम जैसे विषय की गोपनीयता को भंग करना प्रतीत होता हैं। जल्दबाजी में जारी किए गए परीक्षा परिणाम में विद्यार्थियों के पूर्व में जारी परिणाम के दिनांक और अंक एक हैं जो पूर्व में दिए गए एटीकेटी और अभी के परिणाम दोनों ही एक हैं 6जिसके कारण यह प्रतीत होता हैं कि परिणाम में कोई बदलाव न कर उसे पुराना परिणाम ही दे दिया गया हैं। बी आर कंप्यूटर कंपनी के द्वारा जो सॉफ्टवेयर दिया गया हैं जो कि विद्यार्थियों के लिए लिंक दी जाती हैं वो कभी कभी काम नहीं करती है जिसके कारण विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं।विश्वविद्यालय द्वारा रिटोटलिंग एवं रिवॉल्यूशन जिसकी फीस बहुत ज्यादा है जिसको तत्काल रूप से कार्रवाही करते हुए कम किया जाए। 7 दिवस के अंदर संज्ञान में नहीं लिया गया तो अभाविप उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

शासकीय निर्माण में लग रहा चोरी का सामान, छात्रावास की नींव में उपयोग की जा रही अवैध रेत

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिस प्रशासन पर अवैध उत्खनन रोकने की जिम्मेदारी है, उसी प्रशासन के नाक के नीचे सरकारी भवन के निर्माण में चोरी की रेत का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है। मामला फुनगा क्षेत्र का है, जहाँ गोडारू नदी को माफियाओं ने चारागाह बना लिया है। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इस अवैध रेत का उपयोग किसी निजी मकान में नहीं, बल्कि प्यारी क्रमांक-1 में बन रहे कस्तूरबा गांधी छात्रावास में किया जा रहा है। पयारी क्रमांक-1 में निमार्णाधीन कस्तूरबा गांधी छात्रावास के ठेकेदार द्वारा सरकारी राजस्व (रॉयल्टी) की चोरी की जा रही है। नियमानुसार, सरकारी निर्माण कार्यों में वैध खदान की रॉयल्टी वाली रेत लगनी चाहिए, लेकिन मुनाफे के लालच में ठेकेदार गोडारू नदी के प्यारी, देखल और अमलाई घाटों से रात के अंधेरे में अवैध उत्खनन करवा रहा है। सवाल उठता है कि क्या संबंधित इंजीनियर और अधिकारियों को इस "काले खेल" की जानकारी नहीं है, या सब कुछ मिलीभगत से चल रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, गोहरारू नदी में मशीनें और ट्रैक्टर-ट्रॉली दिन-रात गरज रहे हैं। नदी का प्राकृतिक स्वरूप पूरी तरह नष्ट किया जा रहा है। फुनगा पुलिस की गश्त इन रास्तों पर नदारद रहती है और खनिज विभाग शिकायत के बाद भी मौके पर नहीं पहुँचता। ग्रामीणों का आरोप है कि यह चुप्पी इशारा करती है कि माफियाओं के तार बहुत ऊपर तक जुड़े हैं। कस्तूरबा गांधी छात्रावास के निर्माण में लग रही रेत की रॉयल्टी रसीद (ळढ) की जांच अब तक क्यों नहीं की गई। जब पयारी, देखल और अमलाई में खुलेआम जेसीबी चल रही है, तो खनिज विभाग ने अब तक क्यों नहीं की। सरकारी निर्माण में अवैध सामग्री का उपयोग होने पर निर्माण एजेंसी/ठेकेदार पर कार्यवाही कब होगी।

जिला उपार्जन समिति की बैठक में कलेक्टर ने की धान खरीदी की समीक्षा

खरीदे गए धान का शीघ्रता से परिवहन करने के निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 03 दिसम्बर को जिला उपार्जन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी आरके ठाकुर, उपायुक्त सहाकारिता राजेश उइके, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पी जोशी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनिल किरार, वेयर हाउस के प्रबंधक श्री पटले एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि धान की खरीदी स्लॉट बुकिंग के आधार पर की जाए। किसानों से खरीदी गई धान एफएक्यू क्वालिटी की होना चाहिए। समिति स्तर के खरीदी केंद्रो पर खरीदी गई धान का तेजी से उठाव कर गोदामों में पहुंचाया जाए। सभी खरीदी केंद्रो पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखी जाए। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि कोई भी व्यापारी या बिचौलिया किसान के नाम पर अपनी धान न बेच पाए।

बैठक में बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले की सभी 185 केंद्रो पर 01 दिसम्बर से किसानों से खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। 03 दिसम्बर की शाम तक जिले के 1507 किसानों से 54 हजार 324 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। गोदाम स्तर पर बनाए गए 58 केंद्रो पर 482 किसानों से 17 हजार 730 क्विंटल एवं समिति स्तर पर बनाए गए 127 केंद्रो पर 1025 किसानों से 36 हजार 594 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है।

कटंगी तहसील के 17 केंद्रो पर 57 किसानों से 1937 क्विंटल, किरनापुर तहसील के 18 केंद्रो पर 251 किसानों से 10 हजार 569 क्विंटल, खैरलांजी तहसील के 23 केंद्रो पर 39 किसानों से 1525 क्विंटल, परसवाड़ा तहसील के 11 केंद्रो पर 39 किसानों से 2100 क्विंटल, बालाघाट तहसील के 20 केंद्रो पर 161 किसानों से 7145 क्विंटल, बिरसा तहसील के 12 केंद्रो पर 184 किसानों से 6434 क्विंटल, लांजी तहसील के 19 केंद्रो पर 89 किसानों से 3134 क्विंटल, लालबर्रा तहसील के 29 केंद्रो पर 401 किसानों से 12 हजार 240 क्विंटल एवं वारासिवनी तहसील के 21 केंद्रो पर 286 किसानों से 9240 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिवक्ताओं की ली बैठक

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। 13 दिसम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण की अध्यक्षता में 03 दिसम्बर को बीमा कंपनी के अधिवक्तागणों एवं क्लेमेंट अधिवक्तागण के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में न्यायाधीश प्राण द्वारा क्लेम से संबंधित प्रकरणों के संबंध में बीमा कंपनी के अधिवक्ता एवं क्लेमेंट अधिवक्तागण से चर्चा की गई। साथ ही नेशनल लोक अदालत के लाभ के संबंध में उपस्थित अधिवक्तागण को जानकारी प्रदान करते हुए 13 दिसम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में क्लेम से संबंधित प्रकरणों को अधिक से अधिक संख्या में राजीनामा के माध्यम से निराकरण किये जाने के सहयोग की अपेक्षा की गई। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटूम्ब न्यायालय पदमेश शाह, प्रथम जिला न्यायाधीशगौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला न्यायाधीश डी.एन.सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेटमनीष कुमार सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीष शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट तारा मार्को, शीनी जैन, शुभम जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे तथा समस्त बीमा कंपनी के अधिवक्ता व क्लेमेंट अधिवक्तागण आदि उपस्थित रहे।

ईंट भट्टों का धड़ल्ले से चल रहा कारोबार, जिम्मेदार अनजान

दैनिक रेवांचल टाइम्स कटंगी। क्षेत्र में इन दिनों ईंट भट्टों का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। ईंट माफिया खनिज विभाग और राजस्व विभाग की अनुमति के बगैर ईंट भट्टों का संचालन कर रहे है। इसके बावजूद इन पर कार्रवाई नहीं किए जाना, हल्का पटवारियों की भूमिका पर भी सवालिया निशान लग रहे है। बताया जा रहा है कि ग्राम उमरी और उसके आसपास के क्षेत्र में यह गोरखधंधा अवैध रूप से संचालित है।

ग्राम उमरी में पुलिया के पास ईंट माफिया ने शासकीय भूमि पर भी अतिक्रमण कर लिया है। जिसमें मैदान में खेलने वाले बच्चों को भी परेशानी हो रही है जिसकी जानकारी सरपंच और सचिव और पटवारी को भी है, लेकिन यह मूक दर्शक बनकर अवैध कार्य को बढ़ावा दे रहे है। इसके अलावा तिरोड़ी तहसील में भी अर्जुन टोला बोनकट्टा और महकेपार क्षेत्र के आसपास के ग्रामों में ईंट भट्टों की भरमार है।

जिसमें भी शासकीय भूमि पर ईंट भट्टों के संचालक अपना जाल फैला लिया है जिसकी जानकारी होते हुए भी राजस्व विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि हल्का पटवारियों की ईंट माफिया से मिलीभगत के कारण ही यह अवैध कारोबार वर्षों से संचालित है। जिस पर कभी कोई कार्रवाई नहीं की गई। क्षेत्र के लोगों ने अवैध रूप से चल रहे ईंट भट्टों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में 12 प्रतिभागियों को किया सम्मानित

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। नगर के एक लान में गत दिवस प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 12 प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में समिति के नियमानुसार 10 वर्ष से 25 तक के प्रतिभागियों को ही शामिल किया गया था। इस कार्यक्रम में लगभग 90 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इसमें डांस, सिंगिंग, इंस्ट्रमेंट प्लेइंग और ड्राइंग की चार मुख्य विधाओं में बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। आयोजकों ने नगर के सम्मानिय हस्तियों के द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम में वर्किंग जर्नलिस्ट के तहसील अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स के तहसील अध्यक्ष राजेश शर्मा के मुख्य आतिथ्य में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। डांस श्रेणी में प्रथम पुरस्कार सम्प्रिता घोड़ेश्वर, द्वितीय पुरस्कार, अरना गुप्ता व तृतीय पुरस्कार जानू एंड ग्रुप को प्रदान किया गया।

सिंगिंग श्रेणी में प्रथम पुरस्कार नवीन डहेरिया को द्वितीय पुरस्कार, रिया पटले व तृतीय पुरस्कार, आयुष राहंगडाले को प्रदान किया गया। इंस्ट्रमेंट प्लेइंग के लिए प्रथम पुरस्कार, दिव्यम नेवारे को द्वितीय पुरस्कार, अनहद सोनी को व तृतीय पुरस्कार हर्ष हिरकने को दिया। अंत में ड्राइंग श्रेणी में प्रथम स्थान संध्या नेटी, द्वितीय हर्ष कोसरे व तृतीय स्थान के लिए दयनीत हनवत को पुरस्कृत किया गया। इन चारों विधाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले बच्चों को क्रमशः 410 रुपये, 2100 और 1100 रुपये के पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का उद्देश्य कटंगी के बच्चों की कला को एक बड़ा मंच प्रदान कर और उन्हें प्रोत्साहित करना है। क्योंकि कटंगी के अधिकांश बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बड़ा स्टेज नहीं मिल पाता। इस फ़ेस्टिवल ने उन्हें आगे बढ़ने और अपनी कला को निखारने का सुनहरा अवसर दिया। इस कार्यक्रम को संपन्न करवाने में मुस्कान तांबे, साक्षी तांबे, अवील भारद्वाज, गोल्डी हटवार, शिवम चुरे, हर्ष रायकर, मयूर बरमैया, विकेश पर्ते, सम्यक मरकवाड़े, रोहित राऊत, दुर्गेश वाघाड़े, सचिन तांबे, साक्षी सेंदरे, अंकुश सेलारे का सहयोग रहा।

एड्स दिवस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स तिरोड़ी। वीरागना रानी दुर्गावती शासकीय कला महाविद्यालय तिरोड़ी में महाविद्यालय के प्राचार्य पवन सोनी के मार्गदर्शन में तथा राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डा. कुलदीप लखेरा के नेतृत्व में और स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस बुधवार तीन दिसंबर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डा. बनवारी मीणा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिरोड़ी, चंद्रदीप साहू आईसीटीसी प्रभारी कटंगी ने एड्स के प्रति विद्यार्थियों को जाग्रत किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिरोड़ी के डा. बनवारी मीणा ने कहा कि यह दिन एचआईवी की रोकथाम, उपचार और सामाजिक भेदभाव को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण वैश्विक प्रयास बन गया है। एड्स की बीमारी के बारे में आईसीटीसी प्रभारी कटंगी के चंद्रदीप साहू ने विस्तार से जानकारी दी तथा उसके लक्षण और रोकथाम के लिए उपाय योजना के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। एड्स के प्रसार को रोकने के लिए महाविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

एड्स के उपलक्ष में की गई प्रतियोगिता में प्रमाण पत्र का वितरण भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंजली रौटेल, द्वितीय स्थान खुशी नाथ ने प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में हसरत शैख, निशा सूर्यवंशी, प्रतिमा यादव आदि का योगदान रहा। सभी प्रतिभागी को प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डा. नैनवती धारने, महाविद्यालय के अन्य व्याख्याता डा. हितेश उके, डा. अरुण कुमार शिंदे, डा. योगेश सोनोने, सुरेश गिरी, प्रदीप चौरे तथा दिलीप जामोड़कर ओर संजय यादव ने विशेष योगदान दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन इतिहास विभाग प्रमुख डा. अश्विनी सातनकर ने किया।

सम्यक बुद्ध विहार का लोकार्पण और तथागत सम्यक सम्बुद्ध की प्रतिमा का हुआ अनावरण

कटंगी के ग्राम नांदी में आयोजित किया गया कार्यक्रम

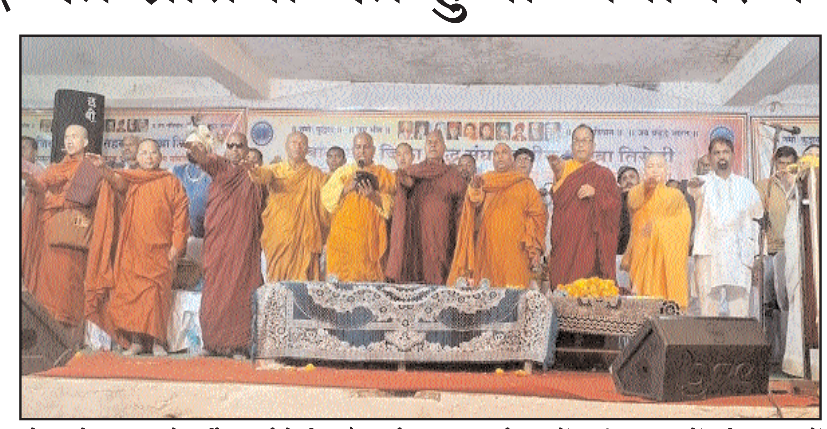

दैनिक रेवांचल टाइम्स तिरोड़ी। बालाघाट जिला बौद्ध संघ तहसील शाखा तिरोड़ी सर्कल शाखा नांदी ग्रामीण शाखा नांदी व समता सैनिक दल तिरो?ी के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पंचायत नांदी में शनिवार को सम्यक बुद्ध विहार का लोकार्पण और थाईलैंड देश से प्राप्त सम्यक सम्बुद्ध की प्रतिमा अनावरण किया गया।

इस दौरान महाबोधि महाविहार बोधगया से संबंधित याचिका सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में नियत पेशी पर उपस्थित होने के उपरांत दिल्ली से नागपुर से होते हुए जब बोनकट्टा अतिथिगण बौद्ध भिक्खुगण बोनकट्टा पहुंचे, तो कार्यक्रम के प्रारंभ में बोनकट्टा से विशाल वाहन रैली पूज्य भदंत धम्म शिखर, आकाश लामा, पूज्य भदंत डा. चंद्रकीर्ति, अधिवक्ता संजय खोबरागड़े के नेतृत्व में धम्म रैली गुड़रुघाट मिरगपुर बस स्टैंड पहुंची। जहां बौद्ध सर्कल समिति सेक्टर मिरगपुर, गुड़रुघाट, सावरगांव, मोहगांवघाट, टेकाड़ीघाट, सुकड़ीघाट, येरवाघाट, येरवाटोला, सालेबर्डी, गर्राबोड़ी, दैतबर्रा, पांढरवानी, बानाटोला के उपासक उपासिकाओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इसके बाद सैकड़ों की संख्या में वाहन पर पंचशील धम्म ध्वज व मिशनरी नीला ध्वज के साथ ग्राम पंचायत मोहगांव नांदी के राहुल बुद्ध विहार में पहुंचकर महाबोधि महाविहार बोधगया मुक्ति आंदोलन के संदर्भ में विशाल शांति मशाल रैली में हजारों की तादाद में उपासक उपासिकाएं पैदल कार्यक्रम स्थल नांदी पहुंची।

कार्यक्रम में शामिल हजारों की तादाद में शरीक बौद्ध उपासक उपासिकाओं ने रैली स्वागत किया। इसके बाद कार्यक्रम के उद्घाटक पूज्य भदंत धम्म शिखर जी, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आकाश लामा, विशिष्ट अतिथि पूज्य भदंत डा. चंद्रकीर्ति, कार्यक्रम अध्यक्ष अधिवक्ता संजय खोबरागड़े जिला अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट, विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता सुरेंद्र बारमाटे, विकास खांडेकर, दलित मेश्राम तहसील अध्यक्ष जिला बौद्ध संघ तिरोड़ी, भोजराज वासनिक अध्यक्ष सम्यक बुद्ध विहार निर्माण समिति नांदी, रामचंद मेश्राम सर्कल बौद्ध संघ नांदी, कपिल मेश्राम सभापति नगर परिषद कटंगी की उपस्थिति में सम्यक बुद्ध विहार नांदी का लोकार्पण व तथागत की बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण व परम पूज्य डा. बाबा साहेब अंबेडकर के नाम बने सभा मंच का भी लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम में दोपहर 12 बजे से दोपहर तीन बजे तक एक शाम संविधान के नाम सुप्रसिद्ध कवि शैलेश शैल व्यंग्य कवि प्रबोधनकार, सुप्रसिद्ध कवियत्री माधुरी किरण, सागर छिपेश्वर पेरोडीकार कवि, गोविंदा गांवटी सुप्रसिद्ध गीतकार, मनोज रामटेके, हलचल बालाघाटी, विकास सनोड़ियि इत्यादि कवियों के द्वारा संविधान व बुद्ध अंबेडकर मिशन पर बेहतरीन काव्य पाठ किया। इसके अलावा सुप्रसिद्ध कव्वाल मनोज राजा ने कव्वाली की प्रस्तुति दी गई।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से बदली गीता चौरसिया की जिंदगी

अगरबत्ती व्यवसाय से बनी आत्मनिर्भर परिवार को दिया मजबूत सहारा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कठिन समय में सही सहायता यदि मिल जाए तो वह किसी की जिंदगी की नई दिशा तय कर सकती है। बालाघाट जिले के नगरीय क्षेत्र कटंगी की रहने वाली गीता चौरसिया इसकी एक प्रेरक मिसाल बन गई हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ मिलने के बाद गीता ने न केवल आर्थिक संकट से उबरकर अपनी आजीविका का मजबूत आधार तैयार किया, बल्कि अपने परिवार को भी आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाया।

कोविड अवधि में जब काम-धंधे ठप हो गए और रोजमर्रा का खर्च चलाना भी कठिन हो गया था, तब गीता के सामने भी बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो गया था। लेकिन प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत बिना ब्याज का 10 हजार रुपये ऋण मिलने ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। गीता ने इस राशि का उपयोग करते हुए घर पर अगरबत्ती निर्माण की यूनिट शुरू की। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाई और व्यवसाय ने रफ्तार पकड़ ली।

प्रथम ऋण का भुगतान समय से करने के बाद गीता ने योजना के तहत 20 हजार रुपये का द्वितीय ऋण लिया और उत्पादन को बढ़ाया। व्यवसाय बढ़ता गया और उन्होंने यह ऋण भी पूरी तरह चुका दिया। आज गीता तीसरे चरण में 50 हजार रुपये का ऋण लेकर अपने काम का विस्तार कर रही हैं। लगातार बढ़ रही मांग और नियमित आय ने उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना दिया है। गीता अब समय पर ऋण की किश्तें जमा कर रही हैं और अपने चार सदस्यीय परिवार का पालन-पोषण पूरी जिम्मेदारी और सम्मान के साथ कर रही हैं। गीता चौरसिया की यह कहानी बताती है कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे उद्यमियों और स्ट्रीट वेंडर्स के लिए न केवल आर्थिक सहायता का साधन है, बल्कि आत्मनिर्भरता, विश्वास और सम्मानजनक आजीविका की नई शुरुआत का अवसर भी है। गीता अब अन्य महिलाओं को भी इसी तरह स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।